वर्ष : 33 ▸ अंक : 187 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 23 सितंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

वैजापुर विधानसभा सीट

शिंदे गुट की अग्निपरीक्षा

शिवसेना के गढ़ में होगी असली और नकली की लड़ाई

दोपहर संवाददाता । छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान कुछ ही दिनों में होने वाला है। चुनाव आयोग ने इस बार त्योहारों का हवाला देते हुए देरी की अन्यथा यहां पर हरियाणा के साथ ही चुनाव संपन्न कराए जाते थे। ऐसे में चुनाव का ऐलान भले ही अभी नहीं हुआ है। यही वजह है कि सभी सियासी दल अपने-अपने सिपहसालार तैयार करने में जुटे में हुए हैं। महाराष्ट्र में आयोजित होने जा रहे लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर हम भी सजग हैं। यही वजह है कि हम विधानसभा क्षेत्रवार इस बात के एनालिसिस में जुटे हुए हैं कि कहां पर कब और किसने जीत दर्ज की। किस विधानसभा सीट पर कब कौन हावी रहा है। वहां के जातीय समीकरण क्या कुछ कह रहे हैं। इसी कड़ी में आज हम आपके बीच वैजापुर विधानसभा सीट का लेखा जोखा लेकर हाजिर हैं।

छह निर्वाचन क्षेत्रों में से एक

वैजापुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र औरंगाबाद जिले में स्थित महाराष्ट्र विधानसभा के छह निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। इस सीट के इतिहास पर नजर डाले तो पता चलता है कि यहां शुरूआती दौर में कांग्रेस का दबदबा रहा। लेकिन इस बाद इस सीट पर शिवसेना ने अपना वर्चस्व कायम कर लिया। 1999 से अबतक चार बार शिवसेना ने जीत दर्ज की। 2014 के विधासभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भाऊसाहेब पाटिल चिकटगांवकर ने जीत हासिल कर शिवसेना के विजयरथ पर रोक लगाई। हालांकि 2019 के चुनाव में शिवसेना के रमेश बोरनारे ने वैजापुर विधानसभा सीट पर फिर से जीत दर्ज की।

अब तक के विधायक

2019 : रमेश बोरनारे, शिवसेना

2014 : भाऊसाहेब पाटिल चिकटगांवकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

2009 : रंगनाथ मुरलीदार वानी, शिवसेना

2004 : रंगनाथ मुरलीदार वानी, शिवसेना

1999 : रंगनाथ मुरलीदार वानी, शिवसेना

1995 : कैलाश रामराव पाटिल, कांग्रेस

1990 : रामकृष्ण बाबा पाटिल, कांग्रेस

1985 : रामकृष्ण बाबा पाटिल, कांग्रेस

क्या कहते हैं जातीय समीकरण?

सामान्य श्रेणी की इस सीट पर सामान्य और ओबीसी मतदाताओं का दबदबा रहा है। 2019 के आंकड़ों के मुताबिक यहां कुल 3 लाख 10 हजार 142 वोटर्स हैं। इस सीट पर लगभग 41,272 दलित तो 17,413 आदिवासी वोटर्स भी हैं। वैजापुर विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या लगभग 30,549 है जो मतदाता सूची विश्लेषण के अनुसार लगभग 10 फीसदी है।

क्या है 2024 का राजनीतिक समीकरण?

वैजापुर विधासभा सीट को शिवसेना का गढ़ माना जाता है। मौजूदा विधायक रमेश बोरनारे एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हैं। ऐसे में महायुति से यह सीट शिवसेना के खाते में जा सकती है। वहीं महा विकास अघाड़ी से यदि यह सीट उद्धव ठाकरे की शिवसेना लड़ती हैं तो यहां की जनता किसे असली शिवसेना का तमगा देती हैं, यह देखना दिलचस्प होगा।

अंधेरी के राजा के विसर्जन के दौरान नाव पलटी

दो दर्जन से अधिक लोग समुद्र में गिरे, कोई हताहत नहीं

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई के वर्सोवा बीच पर नाव पलटते ही अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोगों ने पानी में डूबे लोगों को बचाने के लिए आगे आए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मुंबई के वर्सोवा बीच पर रविवार को अंधेरी के राजा का विसर्जन हो रहा था। इसी दौरान अचानक नाव पलटने के चलते मंडल के कुछ कार्यकर्ता और अन्य लोग पानी के अंदर गिर गए। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह 11:00 बजे मूर्ति का विसर्जन किया जा रहा था। तभी नाव पलट गई।

दो दर्जन से अधिक लोग समुद्र की लहरों के बीच जा गिरे

नाव पलटते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। नाव में सवार दो दर्जन से अधिक लोग समुद्र की लहरों के बीच जा गिरे। वहां मौजूद लोग पानी में डूबे लोगों को बचाने लगे। हालांकि, इस घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है। समय रहते एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

मूर्ति विसर्जन में पथराव के मामले में 4 के खिलाफ केस दर्ज

वहीं, दूसरी ओर महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में 18 सितंबर को गणेश मूर्ति विसर्जन यात्रा के दौरान हुए पथराव के सिलसिले में चार अज्ञात व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि वंजारपट्टी नाका इलाके में उस दिन मध्य रात्रि के बाद श्री हनुमान सार्वजनिक मित्र मंडल की विसर्जन यात्रा पर पथराव किया गया, जिससे मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई और तनाव पैदा हो गया।

चिकन की दुकान की तरफ से फेंके गए पत्थर

उन्होंने कहा, 'चिकन की दुकान की तरफ से पत्थर फेंके गए थे। विहिप पदाधिकारी की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।'

इन धाराओं में केस दर्ज

अधिकारी ने बताया कि उनपर भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 298 (किसी वर्ग के धर्म को अपमानित करने की मंशा से उपासनास्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना), 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य) और 324 (4) (शरारत) लगाई गई हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

श्रीलंका में वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके होंगे राष्ट्रपति

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट पार्टी के 55 वर्षीय नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को चुनाव का विजेता घोषित किया गया है। दिसानायके ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि यह जीत हम सबकी है। पिछले सालों में आर्थिक रूप से चुनौतियों और फिर राजनीतिक रूप से अस्त-व्यस्त हो जाने के बाद श्रीलंका का यह पहला चुनाव था। सरकार के खिलाफ आंदोलन में दिसानायके ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इस राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें जनता के उसी समर्थन का फल मिला, क्योंकि पिछले चुनाव में दिसानायके की पार्टी को केवल तीन फीसदी वोट मिले थे। इन्हें चीन का समर्थक माना जाता है। चुनाव परिणाम घोषित करते हुए श्रीलंका के चुनाव आयोग ने कहा कि पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट के अनुरा कुमारा दिसानायके ने शनिवार को 42.31 प्रतिशत वोट के साथ राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। इनके विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा 32.76 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

झारखंड में तुरंत इंटरनेट बहाल करने का आदेश

रांची। हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार से सूबे में इंटरनेट सेवाओं को तुरंत बहाल करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट की जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच ने रविवार को पूरे झारखंड में इंटरनेंट सेवा बंद किए जाने पर संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई की। अदालत ने हेमंत सोरेन सरकार को निर्देश दिया कि तत्काल इंटरनेट सेवा को बहाल किया जाए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार से इंटरनेट बंद करने के लिए तैयार की गई एसओपी को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने राज्य सरकार को एसओपी को प्रस्तुत करने के लिए छह हफ्ते की समय सीमा दी है। इस मामले में स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण ने दलीलें रखीं। वहीं राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने बातें रखीं। अदालत ने रविवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए उक्त आदेश जारी किए। अदालत ने पूरी इंटरनेट सेवा को निलंबित करने पर भी सवाल उठाया।

सभी मंदिरों की जल्द कराई जाएगी 'सफाई' : नायडू

नई दिल्ली। प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति लड्डू विवाद पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मंदिरों में जल्द ही 'सफाई प्रक्रिया' शुरू की जाएगी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, नायडू ने तेलुगु देशम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। साथ ही, उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी की मिलावट के आरोपों के बाद सरकार भावी कदम के बारे में संतों, पुजारियों और हिंदू धर्म के अन्य शीर्ष विशेषज्ञों से परामर्श करेगी।

महाराष्ट्र में BJP का होगा सफाया : सत्यपाल मलिक

महा विकास आघाडी का करेंगे प्रचार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पूर्व BJP नेता और कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके सत्यपाल मलिक का BJP के खिलाफ हमला बदस्तुर जारी है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बीते शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सत्यपाल मलिक ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव के परिणाम BJP के ताबूत में आखिरी कील के रूप में काम करेंगे। वहीं अब जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आज रविवार को कहा कि वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (MVA) के लिए प्रचार करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (BJP) का ''सफाया'' हो जाएगा। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने में अहम भूमिका निभाने वाले मलिक मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिलेंगी 60 सीटें

सत्यपाल मलिक ने भविष्यवाणी की कि कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगभग 60 सीटें हासिल कर सकती है, जबकि BJP को मात्र 20 सीटें मिल सकती है। इतना ही नही मलिक ने 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की व्यापक जांच की अपनी अपील भी फिर दोहराई, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के 40 कर्मियों की जान चली गई थी। उन्होंने सरकार पर उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का भी संगीन आरोप लगाया। जानकारी दें कि महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए आगामी नवंबर में चुनाव प्रस्तावित है। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) शामिल है। विपक्षी MVA में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार नीत राकांपा (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। महाराष्ट्र में आगामी चुनाव के बारे में पूछने पर मलिक ने कहा, ''भाजपा को न केवल बड़ा झटका लगेगा, बल्कि राज्य चुनाव में पार्टी का सफाया हो जाएगा। उद्धव ठाकरे इस चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैंने MVA को पूर्ण समर्थन दिया है। मैं उसके लिए प्रचार भी करूंगा।''

'नायडू आदतन झूठे, राजनीति चमकाने के लिए आस्था से खिलवाड़'

लड्डू विवाद पर जगन का PM मोदी को पत्र

एजेंसी । नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति लड्डू विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने मौजूदा सीएम चंद्रबाबू नायडू पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता, अखंडता और प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है। चिट्ठी में जगन ने लिखा, 'चंद्रबाबू नायडू आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं। अब वह इतना नीचे गिर गए हैं कि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को गंभीर रूप से चोट पहुंचाई है। नायडू को झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी से कड़ी फटकार लगाई जाए। साथ ही, सच सामने लाया जाना जरूरी है।'

'टीटीडी की पवित्रता में बहाल होगा लोगों का विश्वास'

जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि सीएम नायडू ने करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में जो संदेह पैदा किया है, वह ऐसा करने से दूर हो जाएगा। साथ ही, टीटीडी की पवित्रता में लोगों का विश्वास बहाल होगा। घटनाक्रम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था। उसे टीटीडी के परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया। कुछ दिन पहले, एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान टीडीपी सुप्रीमो ने दावा किया कि पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया।

प्रसाद को लेकर सीएम नायडू का दावा

चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि राज्य में पिछली सरकार के दौरान तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसादम में मिलने वाले लड्डू में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया। इसे लेकर बड़े पैमाने पर बवाल मचा हुआ है। शनिवार को नायडू ने कहा कि तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी की मिलावट के आरोपों के बाद सरकार भावी कदम के बारे में संतों, पुजारियों और हिंदू धर्म के अन्य शीर्ष विशेषज्ञों से परामर्श करेगी। इसके बाद सरकार टीटीडी के संबंध में अपना निर्णय लेगी जो तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज

मुख्यमंत्री के अनुसार, नई सरकार के गठन के तुरंत बाद उन्होंने टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी को तिरुमाला को पूरी तरह से पवित्र करने का निर्देश दिया। उन्होंने लड्डुओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कदम उठाए, जिनमें कुछ आपूर्तिकर्ताओं को काली सूची में डालना भी शामिल था। नायडू ने कहा कि अच्छे लड्डू के लिए हमने फिर से नंदिनी से घी खरीदना शुरू कर दिया।

चीन-पाकिस्तान को क्वाड ने दी चेतावनी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के खिलाफ आए दिन साजिश करने वाले चीन और पाकिस्तान को क्वाड देशों ने मिलकर चेताया है। क्वाड के संयुक्त बयान में 26/11 के मुंबई आतंकी हमले और पठानकोट आतंकी हमले की निंदा की गई। बयान में कहा गया कि यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के 1276 सैंक्शन कमेटी के माध्यम सेन हमलों के साजिशकर्ताओं के खिलाफ कड़ा ऐक्शन होना चाहिए। क्वाड नेताओं ने समान रूप से आतंकवाद और हिंसक कट्टरपंथ की निंदा की। चारों देशों ने मिलकर आतंकवाद से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई।

क्वाड के संयुक्त बयान में कहा गया, मुंबई आतंकी हमले और पठानकोट हमले को लेकर हम फिर से निंदा करते हैं। क्वाड वर्किंग ग्रुप की बैठक में आतंकवाद से निपटने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई थी। यह बैठक बीते साल होनुलुलु में हुई थी और इस बार नवंबर में जापान में होनी है। भारत हमेशा पाकिस्तान के असली चेहरे को दुनिया के सामने बेनकाब करता रहा है। वहीं आतंकवाद को लेकर भारत का रुख हमेशा से कड़ा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत पाकिस्तान को लताड़ने में भी कसर नहीं छोड़ता है।

क्वाड' की इस चौथी बैठक के बाद जारी विलमिंगटन घोषणापत्र में कहा गया, 'क्वाड को नेता-स्तरीय प्रारूप में उन्नत किए जाने के चार साल बाद यह समूह रणनीतिक रूप से पहले से कहीं अधिक एकजुट है। 'क्वाड' अच्छे मकसद से बनाया गया समूह है जो हिंद-प्रशांत के लिए वास्तविक, सकारात्मक और स्थायी प्रभाव छोड़ता है।' घोषणापत्र में कहा गया, 'हम इस तथ्य का जश्न मनाते हैं कि केवल चार साल में 'क्वाड' एक महत्वपूर्ण और स्थायी क्षेत्रीय समूह बन गया है जो आगामी कई दशकों तक हिंद प्रशांत को मजबूत करेगा।'

हरियाणा में कांग्रेस का 'झूठ' नहीं चलेगा; भाजपा भारी मतों से जीत दर्ज करेगी : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी । सीवन/लाडवा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोग हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा किए गए बड़े-बड़े वादों के हश्र से वाकिफ हैं, लेकिन उनके राज्य में पार्टी का ''झूठ'' नहीं चलेगा। सैनी ने भरोसा जताया कि हरियाणा में पांच अक्टूबर को प्रस्तावित विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में जारी विकास कार्यों में तेजी लाएगी। कैथल जिले के सीवन में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद सैनी ने कहा, ''जैसा कि आप देख सकते हैं, लोगों में जबरदस्त उत्साह है। भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी, वो भी पूर्ण बहुमत के साथ।'' मुख्यमंत्री ने शनिवार को गुहला क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कुलवंत बाजीगर के पक्ष में आयोजित रैली को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव से पहले हिमाचल, कर्नाटक और तेलंगाना के लोगों से किए गए बड़े-बड़े वादों के बारे में हर कोई जानता है। सैनी ने आरोप लगाया, ''सत्ता हथियाने के लिए झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करना उनके लिए कोई नयी बात नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश का ही उदाहरण ले लीजिए। युवाओं को सालाना एक लाख नौकरियां, महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये और हिमाचल में मुफ्त बिजली देने के कांग्रेस के वादे का क्या हुआ? क्या उन्होंने इन वादों को पूरा किया।''

दोस्ती का तोहफा : PM मोदी ने बाइडेन को गिफ्ट दी चांदी की ट्रेन

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की प्रथम महिला जिल को दिया ख़ास पश्मीना शॉल

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को चांदी से बने हस्तनिर्मित प्राचीन रेलगाड़ी का मॉडल उपहार में दिया। यह महाराष्ट्र के कारीगरों द्वारा तैयार की गई एक दुर्लभ और असाधारण कलाकृति है, जो भारतीय धातु शिल्पकला की उत्कृष्टता को दर्शाती है। अधिकारियों ने बताया कि इस प्राचीन कलाकृति में जटिल काम किया गया है और यह 92.5 % चांदी से बनी है। यह कलाकृति भाप इंजन चालित रेलगाड़ी के युग को समर्पित है। यह कलात्मक प्रतिभा और ऐतिहासिक महत्व का मिश्रण है। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाते हुए इस मॉडल में भारत में यात्री ट्रेन में प्रयुक्त मानक प्रारूप के आधार पर अंग्रेजी और हिंदी में मुख्य डिब्बे के दोनों ओर 'दिल्ली-डेलावेयर' और इंजन के दोनों ओर 'भारतीय रेलवे' लिखा गया है। यह कलाकृति न केवल कारीगरी के असाधारण कौशल को दर्शाती है, बल्कि भारतीय रेलवे के लंबे इतिहास और इसके वैश्विक प्रभावों का एक शानदार प्रमाण भी है।

अमेरिका की प्रथम महिला को भेंट की पश्मीना शॉल

अधिकारियों ने बताया कि PM मोदी ने अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन को 'पापियर माशे' (कागज की लुगदी) डिब्बे में रखी पश्मीना शॉल भेंट कीं। पश्मीना शॉल जम्मू-कश्मीर की हस्तकला की समृद्ध और बेहतरीन विरासत का नमूना है। उन्होंने बताया कि समकालीन डिजाइनर आधुनिक कला, अधिक गाढ़े रंगों, नए-नए पैटर्न और 'फ्यूजन' (दो या अधिक कलाओं के मेल) शैलियों के साथ पश्मीना कारीगरी में प्रयोग कर रहे हैं।

प्रासंगिक बनी रहे पश्मीना की विरासत

वहीं अधिकारियों ने कहा कि इससे यह सुनिश्चित होता है कि पश्मीना की विरासत प्रासंगिक बनी रहे और यह विभिन्न पीढ़ियों और संस्कृतियों के दिलों को लुभाती रहे। पश्मीना शॉल पारंपरिक रूप से जम्मू-कश्मीर से 'पापियर माशे' डिब्बे में पैक करके दी जाती हैं। ये डिब्बे अपनी मनमोहक सुंदरता और शिल्प कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। ये कागज की लुगदी, गोंद और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों के मिश्रण का उपयोग करके हाथ से बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रत्येक डिब्बा कला का एक अनूठा नमूना है, जो कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। अधिकारियों ने कहा कि ये डिब्बे न केवल उपयोगी हैं, बल्कि सजावट में भी काम आते हैं।

'उत्तर भारतीयों ने बेंगलुरु छोड़ा तो खाली हो जाएगा शहर'

इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर की रील पर मचा बवाल

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर ने दावा किया कि अगर उत्तर भारतीयों ने बेंगलुरु छोड़ा तो महानगर खाली हो जाएगा। इसे लेकर सोशल मीडिया पर अब हंगामा खड़ा हो गया है। कर्नाटक की राजधानी के कोरमंगला इलाके में यह वायरल इंस्टाग्राम रील फिल्माया गया है। इन्फ्लुएंसर का नाम सुगंधा शर्मा है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर भारतीय बेंगलुरु छोड़ देंगे, तो यहां पेइंग गेस्ट रूम भी खाली हो जाएंगे। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया और इंटरनेट यूजर्स ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई। कई लोगों ने कहा कि ऐसी टिप्पणी शहर की संस्कृति और विरासत का अपमानजनक है। वायरल रील पर आम आदमी से लेकर मशहूर हस्तियों तक ने कमेंट किया है। उन्होंने ऐसी टिप्पणी को विभाजनकारी और अपमानजनक बताया है। एक्टर-रैपर चंदन शेट्टी, एक्ट्रेस चैत्रा आचार व अनुपमा गौड़ा और बिग बॉस फेम रूपेश राजन्ना व धनराज जैसे पब्लिक फिगर्स ने भी शर्मा के बयान की आलोचना की। शेट्टी ने इसे प्रचार स्टंट बताया और गौड़ा ने बेंगलुरु का सद्भाव बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। चैत्रा आचार ने लिखा, 'अगर आप जा सकती हो तो एक्सपेरिमेंट के तौर पर जाओ। और फिर देखो कि बेंगलुरु कैसे खाली होता है।'

दस दिनों में होगा महाविकास आघाड़ी की सीटों का बंटवारा

पवार बोले मिलकर लेंगे निर्णय

दोपहर संवाददाता | पुणे

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तापक्ष एवं विपक्षी खेमें में सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा हो रही है। महाविकास आघाड़ी की सीटों का बंटवारा आगामी 10 दिनों में पूरा हो जाएगा। आघाड़ी के तीनों दल मिलकर निर्णय लेंगे, यह जानकारी शरद पवार ने रविवार को बारामती में दी। उम्मीदवारी के लिए इच्छुक वरिष्ठों से मुलाकात कर रहे हैं। इससे महाविकास आघाड़ी में रस्साकशी देखने को मिल रही है।

'भाजपा और सहयोगी पार्टियों को किनारे करने को आतुर लोग'

पवार ने कहा कि पांच साल पहले जब चुनाव हुए थे तो कांग्रेस के पास 1 सांसद और एनसीपी के पास 4 सांसद थे। अब मविआ के 30 लोग चुने गए हैं, माहौल हमारे लिए अच्छा है। महाराष्ट्र में हमारे लिए संभावना बेहतर है। लोग सत्तारूढ़ भाजपा और सहयोगी पार्टियों को किनारे करने को आतुर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग राज्य में मबदलाव के लिए इच्छुक हैं।

'सीट बंटवारे के बाद हमें लोगों के बीच जाकर अपना पक्ष रखना होगा'

रविवार को पत्रकारों से शरद पवार ने कहा कि कहीं भी जाओ तो चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक लोग आकर मिल रहे हैं। किसी एक द्वारा निर्णय लेने से अच्छा है सभी मिलकर निर्णय करें। जो लोग चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक हैं, उनका अध्ययन किया जा रहा है। जयंत पाटील और वरिष्ठ लोगों की टीम इच्छुकों के इंटरव्यू लेंगे। पवार ने कहा कि हमारी आघाड़ी है, हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगें। कौन किस सीट पर चुनाव लड़े, इसके लिए आमराय होना जरूरी है। पवार ने कहआ कि सीटों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। अगले 10 दिनों में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पवार ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे के बाद हमें लोगों के बीच जाकर अपना पक्ष रखना शुरू करना होगा।

कुएं में डूबने से लड़की की मौत

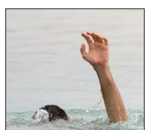

दोपहर संवाददाता | बीड

13 वर्षीय लड़की अपने खेत के कुएं में डूब गई। जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना 22 सिंतबर, रविवार की सुबह अंबाजोगाई शहर के पास चनई इलाके के एक खेत में हुई। जानकारी के अनुसार अंबाजोगाई शहर के पास चनई में लड़की खेत के कुएं में तैरने गई थी, उस समय डूब गई। मृतक लड़की का नाम कल्याणी कानोबा गोचडे सातवीं कक्षा में पढ़ती थी।रविवार के दिन स्कूल की छुट्टी होने से कल्यानी सुबह खेत में गई, कुएं में तैरने के लिए उतरी, लेकिन तैरते समय उसकी सांसें फूल गईं और वह पानी में डूब गई, उसके चिल्लाने की आवाज से भाई और चचेरे भाई ने तुरंत कुएं में उतरकर कल्यानी को बाहर निकाला। तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराने ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जहां से शव को परिजन के हवाले किया गया। कल्याणी की मौत से चनई गांव में मातम छा गया है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक को बस ने मारी टक्कर

दो की मौत, दो घायल

दोपहर संवाददाता | यवतमाल

देर रात सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जब्कि दो बुरी तरह घायल बताए जा रहे हैं। हादसा रात दो बजे का है, जब नांदेड की ओर से आ रही तेज रफ्तार बस ने सड़क पर खड़े ट्रक को जारदार टक्कर मार दी। जिससे बस का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया और कैबिन में बैठे युवक की दबने से मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा बस चालक और कंडक्टर दोनों बुरी तरह घायल हो गए। हादस उस वक्त हुआ, जब ट्रक का टायर बदलने के लिए जैक चढ़ाया जा रहा था, इस दौरान टक्कर लगने से चालक ट्रक के टायर में फंस गया था, जिसे बाहर निकालकर यवतमाल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टायर बदलते समय हुआ हादसा

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अक्कलकोट से ट्रक क्रंमाक MH 26 BE 8612 उड़द की दाल भरकर चालक छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रवाना हुआ। ट्रक में तुलसीराम चंद्रकांत कदम उम्र 40 साल रहवासी शिवाजीनगर तांडा नांदेड अपने सहयोगी कृष्णा भुजंग वाघमारे उम्र 28 रहवासी पलशी सवार थे। 22 सितंबर की रात 2 बजे पेट्रोलपंप के पास ट्रक का टायर फटा था, जिससे ट्रक रोड किनारे लगे तुलसीराम स्टेपनी निकालने और कृष्णा जैक चढा रहा था. इतने मे पीछे से तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। जिसके चलते ट्रक पांच छह फीट आगे चला गया। जैक चढ़ा रहा कृष्णा टायर में फंसने से घायल हो गया। उसे साथ चालक ने बाहर निकाला।

अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज

अनुराग ट्रैवल की बस के कैबिन में एक व्यक्ति दबा था। उसके माथे से खून बह रहा था। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। तुलसीराम ने तुरंत 100 एवं 108 पर कॉल कर दुर्घटना की जानकारी दी। कर्मचारी मुकुंद केंद्रे, विशाल गावंडे सचिन पिसे घटना स्थल पर गए। वहां से बस के दो घायलों को एंबुलेंस की मदद से यवतमाल भेजा गया। तो ट्रक के पहिए मे फंसे कृष्णा को बाहर निकाल जिला अस्पताल लाया गया था। बस में सवार दो और घायलों को एंबुलेंस से नागपुर रैफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर पड़ताल शुरु कर दी। मृतक निखिल के परिजन आर्णी पहुंचे। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव सौंप दिया जाएगा।

दिन दहाड़े देशी कट्टा लेकर घूम रहा था युवक

पुलिस ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

दोपहर संवाददाता | नागपुर

देशी कट्टाधारी युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस की सतर्कता के कारण कोई अनहोनी टल गई है। आरोपी के खिलाफ जरीपटका थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर देशी कट्टा भी जब्त किया गया है। रविवार दोपहर अवकाश कालिन अदालत में उसे पेश किया गया था, जिसके बाद पुलिस को उसका पीसीआर मिल गया है। आरोपी अभिषेक संजय उमाले 24 वर्ष जरीपटका क्षेत्र के कस्तूर्बा नगर का निवासी है। वह अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। अपराध शाखा की यूनीट क्र. 2 की टीम को गुप्त जानकारी मिली थी कि अभिषेक के पास देशी कट्टा है और इससे किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकता है। इसकी गंभीरता से आला पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई।

तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने का निर्देश मिलते ही पुलिस ने तलाशी ली। इस दौरान अभिषेक पुलिस को बर्डी थाना क्षेत्र के मार्टिन नगर में दिखा। पुलिस की गतिविधियां भांपकर उसे अंदाजा आ गया था कि पुलिस उसे ही पकड़ने आई है। लिहाजा वह पुलिस को देखकर भागने लगा। किसी फिल्मी दृश्य की तरह पुलिस ने उसका पीछा कर कुछ ही अंतराल पर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान कमर में छिपाकर रखा हुआ देशी कट्टा पुलिस के हाथ लगा है।

पुलिस की सतर्कता से टली अनहोनी

कट्टा वो कहां से लाया और किस इरादे से उसने इसे अपने पास रखा। इस बारे में वह खुलकर जवाब नहीं दे रहा था, हालांकि यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि संभवत वह किसी को मारने की फिराक में घूम रहा था, लेकिन पुलिस की सतर्कता के कारण उसके इरादों पर पानी फिर गया। इससे अनहोनी टल गई, आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि उसके पहले उसने किसी वारदात को तो अंजाम तो नहीं दिया है। इस बीच उसके घर में भी छापामार कार्रवाई कर तलाशी ली गई है। तलाशी के दौरान कुछ खास पुलिस के हाथ नही लगा। आरोपी संबंधित जरीपटका थाने के सुपुर्द किया गया है। उसके खिलाफ पुलिस हवलदार अशोक तिवारी की शिकायत पर धारा 3-25 सहित धारा 135 मुंबई पुलिस कानून की तहत दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। रविवार दोपहर अवकाश कालिन अदालत में पेश कर रिमांड़ में लिया गया है।

पुणे में बुर्का पहनकर आए अपराधी ने की हत्या और लूट

दोपहर संवाददाता | पुणे

पुणे में एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक बदमाश बुर्का पहन कर आया, दरवाजा खटखटाया और जैसे ही घर के मालिक ने दरवाजा खोला, बदमाश ने चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। इतने में मकान मालिक की पत्नी और बेटियां जग गईं तो आरोपी ने उन्हें चाकू की नोक पर बंधक बनाकर घर में लूटपाट की। वारदात को अंजाम देकर बदमाश के जाने के बाद मृतक की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दी है। मृतक की पहचान कर्वेनगर में रहने वाले राहुल पंढरीनाथ निवगुन्ने (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने सूचना के आधार पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। मृतक राहुल पंडरीनाथ निवगुन्ने की पत्नी ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि परिवार के सभी लोग घर में सोए हुए थे। इतने में दरवाजा खटखटाने की आवाज आई। ऐसे में राहुल ने उठकर घड़ी देखी। उस समय आधी रात गुजर चुकी थी। ऐसे में वह यह सोच कर दरवाजा खोलने गए कि शायद किसी पड़ोसी को कोई इमरजेंसी आई होगी। लेकिन जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, बदमाश चाकू लेकर तैयार खड़ा था। उसने राहुल के पेट में चाकू घोंप दिया।

बेटियों के सामने कर दी पिता की हत्या

इससे गंभीर रूप से जख्मी उसके पति जमीन पर गिर कर तड़पने लगे। उनकी चीख सुनकर वह उठकर आई और उनके पीछे उनकी बेटियां भी आ गई। ऐसे में आरोपी ने उसी चाकू की नोक पर सभी को काबू कर लिया और घर में रखा नगदी और जेवर आदि समेट कर वहां से फरार हो गया। मृतक की पत्नी ने बताया कि राहुल ड्राइवर थे और एक निजी कार चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनके पीछे परिवार में तीन बेटियां और पत्नी हैं।

बुर्के से आरोपी ने ढंक रखा था चेहरा

पीड़ित महिला और बेटियों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि आरोपी बुर्का पहन कर आया था। इसकी वजह से वह आरोपी का चेहरा नहीं देख पायीं। बेटियों का कहना है कि उसके पिता को उनकी अपनी आंखों के सामने ही मार दिया गया। इस घटना के बाद से तीनों बेटियां और मृतक की पत्नी सदमे में हैं। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए मैन्युअल सर्विलांस के साथ इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है।

उद्धव गुट के उम्मीदवार घोषित करने पर कांग्रेस और राकांपा शरद गुट नाराज

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाडी के दलों में सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा जारी है। लेकिन इस बीच शिवसेना (उद्धव) द्वारा श्रीगोंडा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित करने को लेकर कांग्रेस, राकांपा (शरद) और शिवसेना (उद्धव) आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने उद्धव गुट पर निशाना साधते हुए कहा है कि महाआघाडी में अभी

सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है, ऐसे में उद्धव गुट द्वारा अहमदनगर की श्री गोंडा विधानसभा सीट से उम्मीदवार की घोषणा करना उचित नहीं है। इस पर राकांपा (शरद) अध्यक्ष शरद पवार ने भी नाराजगी जताई है। उधर शिवसेना (उद्धव) सांसद एवं प्रवक्ता संजय राऊत ने कहा कि शरद पवार और कांग्रेस के पास गलत जानकारी है। अभी तक हमारी पार्टी ने श्री गोंडा से किसी भी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। वडेट्टीवार ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अभी तीनों ही दलों में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है। ऐसे में गठबंधन के किसी भी दल द्वारा सीटों का बंटवारा होने तक उम्मीदवार के नाम की घोषणा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ सीटों पर यह तय हो गया है कि कौन सी पार्टी कहां से चुनाव लड़ेगी।

इश्क और शक के कारण कल्याण-डोंबिवली में दो आत्महत्याएं

दोपहर संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले के कल्याण और डोंबिवली में हुई दो आत्महत्याओं से हड़कंप मच गया है। 19 साल की एक लड़की ने अपनी मां द्वारा मोबाइल फोन इस्तेमाल करने से मना करने पर आत्महत्या कर ली। वहीं कल्याण में एक 11 साल के लड़के की गर्लफ्रेंड उससे मिलने उसके घर आई, जब लड़के के

माता-पिता लड़की को उसके घर छोड़ने गए तो लड़के ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, इन दोनों मामलों से शहर में हड़कंप मच गया है। डोंबिवली के मानपाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाली हेमांगी ज़ोरे अपनी बेटी और बेटे के साथ रहती हैं, शुक्रवार की रात उनकी बेटी सजना हेमांगी ज़ोरे ने अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, मानपाड़ा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जानकारी सामने आई कि सजना एक कॉलेज में पढ़ रही थी। उसकी मां को शक था कि सजना कुछ लड़कों से चैटिंग करती है। इसके चलते मां ने उससे मोबाइल फोन छीन लिया। सजना की मां पहले भी उसके साथ ऐसा कर चुकी थी। सजना आत्महत्या करने की धमकी देती थी, शुक्रवार को उसकी मां ने फिर उसका मोबाइल फोन छीन लिया, सजना ने गुस्से में आकर आत्महत्या कर ली।

कल्याण में नाबालिग ने की आत्महत्या

आत्महत्या की दूसरी घटना में कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी इलाके में एक 11 साल के लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कोलसेवाड़ी पुलिस के मुताबिक, लड़के से मिलने के लिए उसकी 13 साल की एक लड़की दोस्त घर आयी थी। लड़की को घर में देखकर लड़के के माता-पिता ने उससे पूछताछ की, इसके बाद वे लड़की को लेकर टिटवाला स्थित उसके घर ले गए, जब माता-पिता टिटवाला से घर आए तो देखा कि बच्चे ने आत्महत्या कर ली है। कोलसेबाड़ी पुलिस लड़के की मौत के सही कारण की जांच कर रही है।

नासिक में हुई झमाझम बारिश

दूसरे दौर के मानसून की होगी वापसी

दोपहर संवाददाता | नासिक

अगस्त माह में बारिश ने नासिक में अपना कहर बरपाया था। नदी-नाले उफान पर थे। जनजीवन अस्तव्यस्त था। पिछले कुछ दिनों से शहर और जिले के कई हिस्सों में बारिश थम गई थी लेकिन रविवार 22 सितंबर को दोपहर लगभग 2:30 बजे बारिश ने फिर से शहर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे नागरिकों में अफरा-तफरी मच गई। बारिश की अचानक शुरुआत से लोगों को अपने दैनिक कार्यों में परेशानी हुई और सड़कों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। नागरिकों को अपने घरों और कार्यस्थलों तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। शहर के नासिक रोड, मेन रोड, सीबीएस सहित अन्य इलाकों में जमकर बादल बरसे, जिससे नागरिकों में अफरा-तफरी मच गई। नासिक रोड इलाके में तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा हो गया, जबकि शहर के विभिन्न हिस्सों में भी जगह-जगह पानी जमा हुआ।

दूसरी ओर मौसम विभाग के अनुसार सोमवार 23 सितंबर से मानसून फिर से लौट आएगा। 24 सितंबर तक दूसरे दौर की बारिश की शुरुआत होगी, जिसमें विदर्भ में जोरदार बारिश होगी, मराठवाड़ा में मध्यम तीव्रता की बारिश होगी, मुंबई, कोकण, खान्देश, नासिक, नगर, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर जिलों में हल्की बारिश होगी। इस पूर्वानुमान से लगता है कि महाराष्ट्र में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने वाली हैं। नागरिकों को मौसम की स्थिति के अनुसार अपनी योजनाएं बनानी होगी।

महाराष्ट्र में 26 से 29 सितंबर के बीच तीसरे दौर की बारिश की संभावना है, जिसमें मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, नासिक, उत्तर नगर, धुलिया, जलगांव, छत्रपती संभाजीनगर, जालना, बुलढाणा, अकोला, वाशिम, अमरावती, वर्धा, नागपुर, भंडारा, गोंदिया जिलों में भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान नासिक जिले के घाटमाथा और बांध क्षेत्र में होने वाली भारी बारिश के कारण गोदावरी में नदियों में फिर से बाढ़ आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

अगस्त में हुई थी जोरदार बारिश

बता दें कि अगस्त में नासिक जिले के कई हिस्सों में बारिश होने के कारण गंगापुर, दारणा सहित कुल 10 बांधों से पानी छोड़ना पड़ा था। गंगापुर बांध से पानी छोड़े जाने और शहर में हो रही बारिश के कारण गोदावरी नदी का जलस्तर फिर से बढ़ गया था। गोदावरी की बाढ़ का सूचक माने जाने वाले दुतोंड़्या मारुती के कमर तक पानी आ गया था।

पुलिस की गिरफ्त में आया 8 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी

दोपहर संवाददाता | नागपुर

पारडी थाना क्षेत्र में 8 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीपी रविंद्र कुमार सिंगल ने बताया कि पिछले 5 दिनों से लगातार पुलिस की 6 टीमें दिन-रात जांच में जुटी थीं। शुक्रवार की रात आरोपी का सुराग मिला और क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किये गये आरोपी की पहचान भवानीनगर पारडी निवासी गणपत तानाजी जयपुरकर (56) के रूप में हुई है। गणपत मानसिक रूप से विकृत है। इससे पहले भी गणेशपेठ थाने में उसके खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज हो चुका है।

सीसीटीवी से मिली जानकारी

वहीं, सेंधमारी विरोधी दस्ते के एपीआई मयूर चौरसिया को सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की जिम्मेदारी दी गई। वाहन चोरी विरोधी दस्ते के पीएसआई अनिल इंगोले और साइबर सेल के पीएसआई विवेक झिंगरे को जानकारी इकट्ठा करने के निर्देश दिए थे। भरोसा सेल की इंस्पेक्टर सीमा सुर्वे पर बच्ची को विश्वास में लेकर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने को कहा गया था। इस दौरान पुलिस को एक फुटेज में आरोपी दिखाई दिया। इसी आधार पर अलग-अलग रास्तों पर फुटेज खंगाली गई लेकिन आरोपी भवानीनगर परिसर से बाहर गया ही नहीं था। सामाजिक सुरक्षा विभाग के कांस्टेबल शेषराव राऊत को शुक्रवार की रात जानकारी मिली कि वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी भवानीनगर का रहने वाला है। पुलिस ने परिसर की दुकानों में पूछताछ की तो गणपत के बेटे का पता चला। उससे जानकारी लेकर गणपत को चिखली परिसर से गिरफ्तार किया गया।

तैयार की गई थी 6 टीमें

विगत 15 सितंबर को दोपहर में पीड़ित बालिका और उसकी छोटी बहन घर में अकेली थीं। इसी दौरान आरोपी उनके घर में घुस गया और जबरदस्ती करने लाग। बच्ची ने चीख-पुकार की तो आरोपी वहां से भाग निकला। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए क्राइम ब्रांच के डीसीपी राहुल माकणीकर और एसीपी अभिजीत पाटिल के नेतृत्व में 6 टीमें तैयार की गईं। यूनिट 5 के इंस्पेक्टर राहुल शिरे को सभी रिकॉर्डेड आरोपियों की जांच करने का जिम्मा सौंपा गया।

सीपी ने बताई कहानी

सीपी ने बताया कि गणपत के पत्नी से ठीक संबंध नहीं थे। जिसके चलते वह मानसिक तौर पर विकृत हो गया है। 15 सितंबर को वह घर में कथा करवाने के लिए पंडित की खोज कर रहा था। परिसर में उसे दोनों बच्चियां दिखाई दीं। उनसे बातचीत में पता चल गया कि दोनों घर पर अकेली हैं। पानी मांगने के बहाने उसने पीड़ित बालिका को घर के भीतर भेजा। उसके पीछे वह भी घर में चला गया और बच्ची से जबरदस्ती करने लगा। चीख-पुकार करने पर वह भाग निकला।

शिवसेना ने परिवार को लिया गोद

दोनों बच्चियों को शिवसेना यूबीटी ने लिया गोद

मुंबई की पूर्व महापौर शिवसेना यूबीटी की उपनेता किशोरी पेडणेकर के नेतृत्व में शिवसैनिकों ने पारडी पुलिस थाने का घेराव किया था। पेडणेकर ने दावा किया था कि 5 दिनों से फरार चल रहे आरोपी की पुलिस ने गिरफ्तारी नहीं की थी लेकिन शिव सैनिकों के धावा बोलने के पूर्व डर के कारण पुलिस ने उसे देर रात गिरफ्तार कर लिया। पेडणेकर ने बताया कि शिवसेना यूबीटी ने पीड़ित परिवार की दोनों बच्चियों की शिक्षा व विवाह होने तक की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने मांग की कि पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और आरोपी के खिलाफ पुख्ता केस बनाकर उसे फांसी की सजा दिलवाएं।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार स्वार्थ हर तरह की भाषा बोलता है : रामधारी सिंह 'दिनकर'

महाराष्ट्र चुनाव में आरपीआई (ए) को 10 से 12 सीटें मिलनी चाहिए : रामदास आठवले

नागपुर। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति में शामिल उनकी पार्टी आरपीआई (ए) को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कम से कम 10 से 12 सीटों पर लड़ने का मौका मिलना चाहिए। नागपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आठवले ने कहा कि आरपीआई (ए) अपने पार्टी चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ में तीन से चार सीटें मांगेगी, जिनमें उत्तर नागपुर, उमरेद (नागपुर), यवतमाल में उमरखेड़ और वाशिम शामिल हैं। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राकांपा शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''आरपीआई (ए) ने 18 संभावित सीटों की सूची बनाई है, जिसे वह कुछ दिनों में महायुति सहयोगियों के साथ साझा करेगी और सीट बंटवारे के समझौते में उसे कम से कम 10 से 12 सीटें मिलने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा को अपने कोटे से उनकी पार्टी को चार-चार सीटें देनी चाहिए।

म्हाडा लॉटरी में आवेदन शुल्क म्हाडा हो गयी मालामाल

म्हाडा ने बिना एक भी फ्लैट बेचे करीब 6 करोड़ रुपये कमाए

दीपक पवार | मुंबई

म्हाडा के मुंबई बोर्ड द्वारा विभिन्न आवास परियोजनाओं में 2030 घरों की बिक्री के लिए निकाली गई लॉटरी पर आवेदकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी है। लॉटरी के लिए बोर्ड को 1 लाख 13 हजार 577 आवेदन प्राप्त हुए हैं. आवेदन शुल्क से म्हाडा मालामाल हो गई है और बिना एक भी फ्लैट बेचे म्हाडा ने करीब छह करोड़ की कमाई की है।

म्हाडा मुंबई बोर्ड के माध्यम से 2030 घरों की बिक्री के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 19 सितंबर दोपहर 12 बजे तक थी। 19 सितंबर को रात 11.59 बजे तक जमा राशि ऑनलाइन जमा करने का मौका दिया गया था. इस अवधि में 1 लाख 34 हजार 350 लॉटरी आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 1 लाख 13 हजार 577 आवेदन अमानत राशि सहित प्राप्त हो चुके हैं। एक आवेदन दाखिल करने के लिए कर सहित 590 रुपये का आवेदन शुल्क लिया गया है। इस फीस से मुंबई बोर्ड के खजाने में भारी इजाफा हुआ है। लॉटरी में मकान महंगे होने के कारण आवेदकों ने लॉटरी से मुंह मोड़ लिया था। इसलिए, म्हाडा ने निजी डेवलपर्स से म्हाडा को मिलने वाले घरों की कीमतों में 10 से 25 प्रतिशत की कमी की है। इसके चलते आवेदकों ने लॉटरी के आवेदन भरने शुरू कर दिए।

मस्जिद विवाद पर हंगामा पर पुलिस का एक्शन

3 अरेस्ट, दंगा भड़काने का आरोप

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई के धारावी में मस्जिद का अनाधिकृत हिस्सा गिराने को लेकर हंगामा बरपा था। पुलिस ने हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की थी। धारावी पुलिस ने अब तक इस मामले में तीन लोगों की गिरफ्तार किया है। तीनो पर दंगा भड़काने का आरोप है। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया।

इन तीनों आरोपियों परभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 190, 184(4), 191(2), 324(3), 132, 189 (1,2), 191(3) के तहत केस दर्ज किया गया है। इसमें बीएमएस की धारा 132 गैर जमानती भी शामिल है। बीएनएएस की धारा 132 के तहत सरकारी काम में बाधा देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों के नाम साहिल अंसारी, मोहम्मद सकील खान और मोहम्मद साहिल शाह हैं। बता दें कि अनाधिकृत मस्जिद तोड़ने जब नगर निगम की टीम पहुंची थी तो तनाव पैदा हो गया। भीड़ ने नगर निगम की गाड़ी भी तोड़ दी। देखते ही देखते मुस्लिम समुदाय की भारी भीड़ सुब्हानी मस्जिद इलाके में जमा हो गयी। अंततः सुभानी मस्जिद के ट्रस्टियों ने लिखित आश्वासन दिया कि हम 4-5 दिनों के भीतर अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर देंगे और नगर निगम प्रशासन ने अनुरोध स्वीकार कर लिया। इसके बाद नगर निगम की गाड़ियां और कर्मचारी वापस लौट गये।

हंगामे पर पुलिस का एक्शन

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि जी-नॉर्थ प्रशासनिक प्रभाग से बीएमसी अधिकारियों की एक टीम धारावी में 90 फीट रोड पर महबूब-ए-सुभानी मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को ध्वस्त करने के लिए सुबह 9 बजे पहुंची। जल्द ही, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी घटनास्थल पर एकत्र हो गए और नगर निगम के अधिकारियों को उस सड़क पर प्रवेश करने से रोक दिया जहां मस्जिद स्थित थी। इस अधिकारी ने कहा, 'बाद में सैकड़ों लोग धारावी पुलिस स्टेशन के बाहर भी जमा हो गए और नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में सड़कों पर बैठ गए। अब इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को अरेस्ट किया और कार्रवाई शुरू की है।

विवाद पर देवेंद्र फडणवीस का बयान

गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मस्जिद के ट्रस्टियों द्वारा दिए गए लिखित नोटिस के अनुसार, वे 5-6 दिनों के भीतर स्वयं निर्माण को ध्वस्त कर देंगे, लेकिन स्थानीय लोगों ने अब कहा है कि वे इस पर रोक लगाने के लिए कोर्ट जाएंगे। उनका कहना है कि बुलडोजर राज नहीं चलेगा। जिस तरह से नगर निगम की गाड़ी को तोड़ा गया और अनाधिकृत निर्माण को तोड़ने से रोका गया। नितेश राणे ने इसकी आलोचना की है।

विरोध के बाद वापसी लौटी निगम की टीम

सुभानी मस्जिद धारावी में स्थित है। उस धारावी का पुनर्विकास अडानी ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ का कहना है कि चूंकि धारावी खुद पुनर्विकास में चली गई है।इसलिए नगर निगम को कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है। सोमैया का आरोप है कि नगर निगम कार्रवाई के लिए आने से एक दिन पहले भीड़ इकट्ठा करने के लिए एक पत्र वायरल किया गया था। अनाधिकृत निर्माण हटाने का पत्र जारी करने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई वापस ले ली। तो आगे क्या होगा यह अगले 6 दिनों में देखा जाएगा।

महिला आंदोलन की लेखिकाओं और कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से वंचित बहुजन अघाड़ी का विरोध किया

दोपहर संवाददाता | मुंबई

राजनीतिक दल 'वंचित बहुजन अघाड़ी' के कार्यकर्ताओं ने पिछले कुछ दिनों में प्रसिद्ध मराठी कवि-लेखक, अंबेडकरी आंदोलन के कार्यकर्ता डॉ. प्रज्ञा दया पवार ध्यान दें, हम संविधान-प्रेमी महिलाओं ने सामूहिक रूप से 'वंचित बहुजन अघाड़ी' पार्टी की इस प्रवृत्ति का विरोध किया है, अम्बेडकरी महिला आंदोलन के लेखकों, कलाकारों, कार्यकर्ताओं, प्रोफेसरों, नाटककारों आदि ने अपील की है।

अम्बेडकरी बुद्धिजीवी एवं साहित्यकार डॉ. यशवन्त मनोहर, डॉ. रावसाहेब कस्बे, साथ ही सलाहकार। असीम सरोदे के घर के सामने प्रदर्शन किया गया. उस संबंध में, प्रज्ञा दया पवार ने इस कृत्य के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर अपना पक्ष लिखा था। दरअसल, जिन लोगों को उनका पद स्वीकार नहीं था, उन्हें संवैधानिक भाषा में वैचारिक तौर पर इसका विरोध करना चाहिए था। लेकिन ऐसा करने के बजाय, प्रज्ञा दया पवार को कुछ पुरुषों और कुछ महिलाओं द्वारा ट्रोल किया जा रहा है जो उन्हें वंचित बहुजन अघाड़ी के कार्यकर्ता बता रहे हैं। वरिष्ठ कवयित्री हीरा बनसोडे, सुप्रसिद्ध उर्मिला पवार, वरिष्ठ लेखिका हीरा पवार, वरिष्ठ लेखिका और अंबेडकरवादी महिला संगठन की प्रोफेसर आशालता कांबले, पत्रकार राही भिड़े, लेखिका डॉ. माया पंडित और कार्यकर्ता उल्का महाजन ने ऐसे आरोप लगाए हैं। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं की भाषा इतने निचले स्तर पर पहुंच गई है कि वे 'महिला के चरित्र' की पारंपरिक अवधारणा का उपयोग करके प्रज्ञा दया पवार पर व्यक्तिगत हमला कर रहे हैं। यह आपत्तिजनक है। किसी राजनीतिक दल या गैर राजनीतिक संगठन द्वारा किसी दूसरे दल के आपत्तिजनक पदों का वैचारिक विरोध करना संवैधानिक तरीके से गलत नहीं है। असहमति का यह अधिकार इस देश के प्रत्येक नागरिक को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान द्वारा दिया गया है। जानी-मानी लेखिका उर्मीला पवार ने टिप्पणी की है कि यह बहुत अफसोस की बात है कि बाबा साहब के उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाले कुछ पार्टी कार्यकर्ता ऐसा कर रहे हैं और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी इसे चुपचाप देख रहे हैं।अगर इस देश में किसी भी महिला के सम्मान को कुचलने का प्रयास किया जाता है, तो हम संविधान प्रेमी महिलाएं सामूहिक रूप से विरोध कर रही हैं और समाज के सभी क्षेत्रों की 100 से अधिक प्रमुख और प्रसिद्ध महिलाओं ने सार्वजनिक रूप से एक बयान जारी कर इस प्रवृत्ति की निंदा की है। वेदन की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने के कारण लॉटरी को आवेदकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। आवेदकों से लिए गए 590 रुपये के गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क के माध्यम से, म्हाडा ने 6 करोड़ रुपये की भारी कमाई की है।

लॉटरी 8 अक्टूबर को खुलेगी

लॉटरी के लिए प्राप्त आवेदनों की लॉटरी 8 अक्टूबर को सुबह 11 बजे यशवंतराव चव्हाण केंद्र, नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित की जाएगी।

CJI डीवाई चंद्रचूड़ सोमवार को मुंबई में HC के नये परिसर की रखेंगे आधारशिला

मुंबई। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ सोमवार को मुंबई के बांद्रा पूर्व में बम्बई उच्च न्यायालय के नये परिसर की आधारशिला रखेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि 30.16 एकड़ भूमि का कब्जा चरणबद्ध तरीके से उच्च न्यायालय को सौंपा जाएगा। हालांकि, इसमें से 4.39 एकड़ भूमि का हिस्सा पहले ही दिया जा चुका है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसमें विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा होगा, जिसमें अच्छी तरह से तैयार किये गये अदालत कक्ष, न्यायाधीशों और रजिस्ट्री कर्मियों के लिए चैंबर, एक मध्यस्थता केंद्र, एक सभागार, पुस्तकालय और साथ ही कर्मचारियों, वकीलों और वादियों के लिए कई सुविधाएं होंगी।

इसके अनुसार, योजना का उद्देश्य हितधारकों को बैंकिंग और दूरसंचार, चिकित्सा सुविधाएं, डिजिटलीकरण केंद्र, क्रेच, कैफेटेरिया, प्रतीक्षा क्षेत्र, बहुमंजिला कार पार्किंग, संग्रहालय और वकीलों के चैंबर जैसी सुविधाएं प्रदान करना है।

राज्य सरकार की विज्ञप्ति में कहा गया है कि 16 अगस्त 1862 को स्थापित बम्बई उच्च न्यायालय वर्तमान में फ्लोरा फाउंटेन (हुतात्मा चौक) के निकट एक भव्य भवन में स्थित है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पद 94 हैं, जबकि वर्तमान में न्यायाधीशों की संख्या 66 है।

जबलपुर-मुंबई गरीब रथ एक्सप्रेस में सांप

यात्री डर के मारे बेहाल, वीडियो आया सामने

मुंबई। इस मानसून में सांप दिखने की कई घटनाएं सामने आई है। ऐसी -ऐसी जगहों पर सांप दिखे है, जहां शायद ही कोई सोच सके। ऐसी ही एक घटना गरीब रथ एक्सप्रेस में हुई है। जहांपर बर्थ के ऊपर एक बड़ा सा कोबरा सांप दिखा। सांप के दिखने के बाद यात्रियों में अफरा तफरी मच गई और यात्री इधर उधर भागने लगे। जानकारी के मुताबिक़ घटना रविवार की है, जब जबलपुर से मुंबई के सीएसएमटी ट्रेन पहुंच रही थी। ट्रेन के कोच नंबर जी-3 की साइड बर्थ पर कोबरा सांप दिखा। जिसके बाद बोगी का माहौल ही बदल गया और सभी लोग डरने लगे। कसारा स्टेशन के पास यात्रियों को सांप दिखा। इस सांप का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देख सकते है की किस तरह से सांप हैंडल पर लटका हुआ है। इसकी लंबाई काफी ज्यादा है। बताया जा रहा है कि 12187 जबलपुर-मुंबई गरीब रथ ट्रेन में ये सांप दिखा। सांप के दिखने के बाद यात्रियों ने ट्रेन स्टाफ को इसकी जानकारी दी। इसके बाद जैसे ही ट्रेन सीएसएमटी पहुंची तो रेलवे कर्मचारियों ने और आरपीएफ ने बोगी की जांच की, लेकिन सांप नहीं दिखाई दिया। इसके बाद रेलवे ने संबंधित कोच को हटाया और दूसरा कोच लगाया। सांप दिखने के बाद लोगों का सफ़र काफी दहशत में बीता। इस वीडियो को ट्विटर एक्स पर @geopolimics नाम के हैंडल से शेयर किया गया है।

मराठा आरक्षण पर मंत्री शंभूराज देसाई की दो टूक

बोले- किसी की थाली से छीनकर दूसरों को नहीं परोसेंगे

मुंबई। मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के फिर से अनशन शुरू किए जाने से महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर गरमाने लगा है। अंतरवाली में मनोज जरांगे के अनशन का रविवार को पांचवां दिन था। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। इससे मराठा समाज में आक्रोश बढ़ रहा है। जरांगे के समर्थन में बंद का सिलसिला जोर पकड़ने लगा है। जालना और पुणे के बाद मराठा समाज ने अब अहमदनगर बंद का ऐलान किया है।

इसी बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की महायुति सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने रविवार को मराठा आरक्षण को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि किसी और की थाली का खाना निकाल कर हम किसी दूसरे को नहीं परोसेंगे। रविवार को मराठा समाज के 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके सरकारी निवास वर्षा पर मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम को मुंबई पहुंचे मराठा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए समय मांगा था। इसी आधार पर रविवार को वर्षा में मुख्यमंत्री और मराठा प्रतिनिधिमंडल के बीच बैठक हुई।

बैठक में मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने, खत्म करने के साथ-साथ बॉम्बे गजट, सातारा गजट और हैदराबाद इंस्टीट्यूट के गजट पर भी चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री शिंदे ने मराठा प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि सोमवार की कैबिनेट बैठक के बाद वह मराठा आरक्षण को लेकर मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे।

किसी के साथ अन्याय नहीं होगा

इसके बाद मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि अधिकारियों को सोमवार से मराठा समुदाय की मांगों पर और तेजी से काम शुरू करने के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि ओबीसी आरक्षण पर इससे बिलकुल भी आंच नहीं आएगी और उनके साथ अन्याय नहीं किया जाएगा। देसाई ने प्रतिनिधिमंडल से मनोज जरांगे की तबीयत का ध्यान रखने की अपील की।

288 सीटों पर उम्मीदवार उतारने के लिए तैयार: संजय राउत

मुंबई। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (MVA) में शामिल घटक दल सीटों के बंटवारे की गुत्थी सुलझाने के करीब है। हालांकि महा विकास आघाड़ी में कुछ सीटों पर मतभेद भी देखने को मिल रहे हैं। ऐसी सीटों में शामिल श्रीगोंदा विधानसभा सीट को लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के बीच घमासान मच गया है। इस घमासान में उद्धव गुट के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत ने पहली बार पलटवार करते हुए दो टूक शब्दों में कह दिया कि उनकी पार्टी राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है। कहा जा रहा है कि संजय राउत ने श्रीगोंदा विधानसभा उम्मीदवार की घोषणा की है। इसकी वजह से महा विकास आघाड़ी में घमासान शुरू हो गया।

एनसीपी नेता शरद पवार ने राउत को उनका नाम लिए बगैर फटकारते हुए कहा कि अभी तक सीट के बंटवारे पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। ऐसे कोई भी किसी प्रत्याशी की एकतरफा घोषणा नहीं कर सकता। शरद पवार पर पलटवार करते हुए संजय राउत ने कहा कि श्रीगोंदा को लेकर क्या हुआ मुझे जानकारी नहीं है लेकिन पवार को श्रीगोंदा सीट के आवंटन के संबंध में कुछ गलत जानकारी मिली है। रही बात उम्मीदवारों के घोषणा की तो हर राजनीतिक दल अपने इच्छुक उम्मीदवारों को तैयारियों में जुटने के लिए संदेश देता है। संजय राउत ने महा विकास आघाड़ी गठबंधन के सहयोगियों को चेतावनी देते हुए कहा कि हमने 288 विधानसभा चुनाव क्षेत्रों में तैयारी की है।

दो बजे दोपहर

संपादकीय

बिहार का सुशासन और दलितों पर अत्याचार

बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं, इसका प्रमाण बुधवार को एक बार फिर सामने आया। नवादा जिले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी, जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई जानवरों के मरने की सूचना है, लेकिन किसी इंसान की जान को हानि नहीं पहुंची है, क्योंकि इस हमले की आशंका से लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर चले गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब किस तरह अपने सुशासन का दावा कर सकेंगे, ये तो कहा नहीं जा सकता। फिलहाल वे यही कह सकते हैं कि इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है। खबरों के मुताबिक 2014 में बिहार पुलिस से रिटायर हुआ नंदू पासवान इस इलाके का भू माफिया है और आगजनी की यह घटना 1995 से ही चले आ रहे एक भूमि विवाद से जुड़ी हुई है। कारण जो भी रहा हो, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कोई सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी, पुलिसकर्मी या सामान्य नागरिक इस कदर दुस्साहस कर सकता है कि उसके कहने पर एक गांव लगभग पूरा जला दिया जाए। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून-व्यवस्था गर्त में जा चुकी है। अभी बहुत पुरानी बात नहीं है, इसी साल मई माह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शासन और खासकर नरेन्द्र मोदी के शासन को लेकर लंबे-चौड़े दावे किए थे। श्री नड्डा ने कहा था नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। श्री नड्डा लोकसभा के लिए जनता का वोट मांग रहे थे, लेकिन जिस तरह उन्होंने राजद और कांग्रेस के शासन को कोसा, उससे जाहिर है कि वे नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन को छोड़कर एनडीए में साथ आने को सही ठहरा रहे थे। नीतीश कुमार ने भी मन न लगने को कारण बताते हुए ही राजद और कांग्रेस से किनारा करके फिर से भाजपा से दोस्ती की और राज्य की सत्ता में भाजपा को दोबारा आने का मौका दिया था। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है। अब तक कई पुलों का गिरना ही काफी नहीं था कि एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है। प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए, यह बात जगजाहिर है, लेकिन अब नवादा पर भी अगर वे चुप रहे तो फिर राहुल गांधी के आरोपों को बल मिल जाएगा। वैसे भी राहुल गांधी की कही बहुत सी बातें आगे जाकर सच ही साबित हुई हैं।
फिलहाल इस घटना के पीड़ितों को त्वरित इंसाफ मिले, यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए और आगे ऐसी घटना न घटे, यह उसकी जिम्मेदारी है। लेकिन नीतीश कुमार और नरेन्द्र मोदी दोनों अपनी जिम्मेदारियों से चूक रहे हैं।

शख्सियत | प्रीतिलता वादेदार

स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली महिला क्रांतिकारी

प्रीतिलता वादेदार उन पहली महिलाओं में से एक थीं, जिन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने के लिए हथियार उठाए थे। वह क्रांतिकारी साहित्य से प्रभावित थीं और देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भाग लेने वाली महिलाओं की भी गवाह थीं। कॉलेज में रहते हुए वह दीपाली संघ में शामिल हो गईं, जो एक क्रांतिकारी समूह था जो महिलाओं को युद्ध प्रशिक्षण प्रदान करता था और उन्हें राजनीतिक रूप से जागरूक बनाता था।

प्रीतिलता वादेदार का जन्म 5 मई 1911 को चटगांव (वर्तमान में बांग्लादेश में है) को जगबंधु वड्डेदार और प्रतिभा देवी के घर जन्मी प्रीतिलता बचपन से ही मेधावी छात्रा थीं। उनके पिता नगरपालिका में क्लर्क थे। आय कम होने के कारण परिवार का मुश्किल से गुजारा चलता था। प्रीतिलता ने पहली बार चिटगांव के खस्तागीर बालिका विद्यालय में एक छात्रा के तौर पर अपनी विलक्षण बुद्धि का प्रदर्शन किया था। उन्हीं दिनों में मास्टरदा सूर्य सेन और निर्मल सेन की मुलाकात उनके एक क्रांतिकारी भाई ने प्रीतिलता वड्डेदार से करवाई। मास्टरदा ने प्रीतिलता को न केवल अपने संगठन में शामिल किया, बल्कि उन्हें लड़ने और हमलों का नेतृत्व करने के लिए भी प्रशिक्षित किया।
शुरू में संगठन में उनका इस्तेमाल केवल ब्रिटिश अधिकारियों को चकमा देने के लिए किया गया था, लेकिन बाद में उनके रैंक को बढ़ा दिया गया। चिटगांव स्थित शस्त्रागार में 18 अप्रैल 1930 छापा मारा गया और उस दौरान प्रीतिलता वड्डेदार ने सफलतापूर्वक टेलीफोन लाइनों, टेलीग्राफ कार्यालय को नष्ट कर दिया। वह सूर्य सेन और क्रांतिकारी रामकृष्ण बिस्वास से भी प्रभावित थीं। क्रांतिकारी रामकृष्ण विश्वास उस दौरान रेल अधिकारी तारिणी मुखर्जी की गलती से हत्या करने के आरोप में अलीपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहे थे। दरअसल, वो चटगांव के पुलिस महानिरीक्षक क्रेग की हत्या करना चाहते थे, लेकिन गलती से रेल अधिकारी की हत्या हो गई। 23 सितंबर की रात को, एक आदमी की तरह कपड़े पहनकर, उसने साहसपूर्वक हमले का नेतृत्व किया। इसके बाद हुई भीषण बंदूक लड़ाई में उसके पैर में गोली लग गई, जिससे वह भागने से बच गई। आत्मसमर्पण करने के बजाय, उसने साइनाइड की एक गोली निगलने का फैसला किया और इस तरह शहीद हो गई।

टूटती यमुना को स्वच्छ बनाने का सपना

ज्ञानेन्द्र रावत

आज यमुना की स्थिति की किसी को चिंता नहीं है—न आम आदमी पार्टी, न भाजपा, और न ही कांग्रेस को। सभी दल हरियाणा चुनाव में सत्ता हासिल करने की दौड़ में लगे हैं, लेकिन यमुना के प्रदूषण पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह ज़हरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है।
दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे। लेकिन उनकी यह घोषणा अब तक केवल एक वादा ही साबित हुई है। पांच वर्षों के बाद भी यमुना की स्थिति पहले से अधिक खराब है, और यह अपने उद्धारक की प्रतीक्षा कर रही है। बीते दशकों का इतिहास बताता है कि यमुना हर साल अधिक प्रदूषित होती गई है, और अब इसका जल गंभीर जानलेवा बीमारियों का कारण बन चुका है। बारिश के मौसम को छोड़ दें, तो दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, यमुना के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकंड क्यूमैक्स कम है। यह जल प्रवाह न तो स्नान योग्य है और न ही नदी की पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त।
दीगर बात है कि जल संसाधन संबंधी एक संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की थी कि दिल्ली में यमुना के 22 किलोमीटर लंबे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सेकंड का ई-फ्लो रखा जाए। हालांकि, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) का कहना है कि 23 क्यूमैक्स का ई-फ्लो जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) को 12 मिलीग्राम प्रति लीटर तक घटा देगा। बीओडी वह ऑक्सीजन है जिसे सूक्ष्मजीव कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए उपयोग करते हैं।यह जानना जरूरी है कि यमुना के दिल्ली में पड़ने वाले हिस्से के लिए लगभग 80 प्रतिशत प्रदूषण जिम्मेदार है। ई-फ्लो जल प्रवाह की वह न्यूनतम मात्रा है, जो नदी या जलाशय की पारिस्थितिकी को बनाए रखने और उसे स्नान योग्य बनाने के लिए आवश्यक है।
हकीकत यह है कि आमतौर पर हरियाणा के यमुना नगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से मात्र 10 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जाता है। जबकि 23 क्यूमैक्स पानी यानी 43.7 करोड़ गैलन रोजाना अक्तूबर से जून के महीने के दौरान नदी में छोड़ा जाना चाहिए। यह सिफारिश राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की ने 2019 में ही कर दी थी। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना पर तैयार रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है, जो जानलेवा बीमारियों का कारण बन रहे हैं। समिति ने न केवल यमुना में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फीकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषक तत्वों की सूची तैयार की है, बल्कि लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक छह धातुओं से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी है। यह रिपोर्ट यमुना के संकट को उजागर करती है और उसके प्रदूषण की गंभीरता को रेखांकित करती है। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने के लिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का प्रभावी ट्रीटमेंट करने की आवश्यकता बताई है। इसके अनुसार, झाग का मुख्य कारण बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज में सर्फेक्टेंट्स और फास्फेट की मौजूदगी है, जो त्वचा रोग और संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। समिति ने सुझाव दिया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) की तकनीक को उन्नत किया जाए, उनकी क्षमता बढ़ाई जाए, और सभी उद्योगों को साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जोड़ा जाए। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन विभाग से यह भी कहा गया है कि ऐसे नियम और दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं, जिसमें यमुना सहित सभी नदियों में अपशिष्ट प्रवाहित करने पर दंडात्मक प्रावधान हों। समिति ने पर्यावरण मंत्रालय की आलोचना की है कि उसने 2018 में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई में देरी की। जल संसाधन विभाग को यमुना के लिए स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष स्थापित करने का सुझाव दिया गया है, ताकि सफाई के लिए फंड की कमी न हो। हालांकि, पिछले दो दशकों में करोड़ों रुपये यमुना की सफाई पर खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके अमोनिया और बीओडी स्तर में कमी नहीं आई है। यमुना पहले से 20 गुना अधिक प्रदूषित हो चुकी है।
आज यमुना बदहाली में जीने को विवश है। इसका अहम कारण यमुना का वोट बैंक न होना है। यदि ऐसा होता, तो यमुना कब की शुद्ध, निर्मल, अविरल और सदानीरा बन चुकी होती। आज कालिंदी कुंज के पास यमुना की स्थिति भयावह है, जहां सफेद झागों से किनारा भरा है। सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता में कमी और नालों का सीधे नदी में गिरना इस स्थिति के मुख्य कारण हैं। यमुना का नाले के रूप में बहना अब उसकी नियति बन चुकी है, और उसकी शुद्धि की आशा, निराशा में बदल रही है। हरिद्वार और वाराणसी की तर्ज पर घाटों का सौंदर्यीकरण और धार्मिक आयोजनों से समस्या का समाधान नहीं होगा; यह केवल जनता को धोखा देने जैसा है।

सहज योग

उच्च जीवन प्राप्त करना

मैं कहूंगा कि सत्य अपने आप में सत्य है और आप अपनी समझ से इसकी कल्पना नहीं कर सकते, जब आप सत्य में नहीं हैं। उदाहरण के लिए यदि आप सपना देख रहे हैं तो सपने में आप सत्य के बारे में नहीं सोच सकते।

यह वह जीवंत शक्ति है जिसके बारे में मैं बात कर रही हूं। इसमें इतनी सारी सुविधाएं और काम करने की क्षमताएं हैं कि कोई भी कैमरा उसकी जगह नहीं ले सकता। और ऐसी बहुत सी आंखें हैं जो हमने बिना किसी प्रयास के, बिना कोई पैसा चुकाए प्राप्त कर ली हैं। इसका एहसास हमें तभी होता है जब हमारी आंखों में कोई समस्या होती है। उसी तरह अगर आपको कुछ ऊंचा हासिल करना है, अगर आपको हम जो हैं उससे कुछ ज्यादा पाना है, अगर आपको खुद को परफेक्ट बनाना है, जिसने आपको बनाया है, जिसने आपके भीतर इस मानवीय जागरूकता को प्रकट किया है, उसे प्राप्त करने लिए बेहतर और पवित्र कार्य करना होगा क्योंकि यह उसकी रचना है और वह यह सुनिश्चित करेगा कि वह अपनी [सृष्टि] को पूरा कर ले। एक-दो लोग तो बहुत हैरान हुए, जब हम ईश्वर की बात करने लगते हैं। यह एक बहुत ही सामान्य बात है जो मैंने लोगों में देखी है कि जब हम ईश्वर के बारे में बात करते हैं तो उन्हें यह पसंद नहीं आता है, क्योंकि वे सोचते हैं कि ईश्वर एक मिथक है। अब, मैं कहूंगी कि इससे पहले कि हम ईश्वर है या नहीं, ऐसी समस्याओं से शुरू करें, आइए पहले यह देखें कि ईश्वर के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, क्या वह है? क्या इसमें कुछ समझ है?आइये जानते हैं वो बात। अगर हम इसका थोड़ा सा भी पता लगा सकें तो शायद हम पूरा सच देख सकेंगे।तो सबसे पहले यह कहा जाता है कि, ' ईश्वर की सर्वव्यापी शक्ति है, जो सब कुछ व्यवस्थित करती है, सब कुछ क्रियान्वित करती है और जो प्रेम करती है।' आप में से कितने लोग कह सकते हैं कि उन्होंने इसे महसूस किया है? बहुत कुछ। क्या कारण है कि हम उसे अपने भीतर या अपने आस-पास महसूस नहीं कर पाते?
मैं कहूंगा कि सत्य अपने आप में सत्य है और आप अपनी समझ से इसकी कल्पना नहीं कर सकते, जब आप सत्य में नहीं हैं। उदाहरण के लिए यदि आप सपना देख रहे हैं तो सपने में आप सत्य के बारे में नहीं सोच सकते। मान लीजिए कि आप सभी स्वप्न में हैं, तो सत्य को जानने के लिए आपको जागना होगा। सपने में आपको हर चीज़ सच होने का एहसास होता है। आप सोचते हैं कि, ' हां, वहां एक रोशनी है।' हां, ये सभी चीज़ें मौजूद हैं।' लेकिन जब आप जागते हैं तो आपको पता चलता है कि यह वास्तविक नहीं था। इसी तरह हम एक सपने में हैं जो सिर्फ मेरा एक बयान है जो मैंने आपको दिया है और उसके लिए ?? वह यह है कि आपको अपना दिमाग खुला रखना चाहिए और अचानक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए क्योंकि आपने दैवीय शक्ति के खिलाफ कुछ पढ़ा है, बल्कि बस इसे महसूस करने का प्रयास करें। क्योंकि यह आपका अधिकार है, यही भगवान ने आपको दिया है, और जो कोई भी इसके बारे में पूछेगा, उसे इससे इनकार नहीं किया जाएगा। लेकिन भगवान हर किसी के चरणों में नहीं गिरेंगे कि, 'कृपया इसे मांगो।₹ वही आपकी आज़ादी है। तुम्हें यही तो मांगना है। आपको इसकी इच्छा करनी होगी। आप अपनी स्वतंत्रता नहीं छोड़ सकते और न ही इससे इनकार किया जाएगा।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा | रामधारी सिंह 'दिनकर' : जन्म- 23 सितंबर 1908 | जन्म

स्वार्थ हर तरह की भाषा बोलता है

रामधारी सिंह 'दिनकर' हिंदी और मैथिली भाषा के कवि, निबंधकार, स्वतंत्रता सेनानी, देशभक्त थे। उनका जन्म 23 सितंबर 1908 में हुआ था। उनकी कविता ने वीर रस को उजागर किया था। उनकी प्रेरक देशभक्ति रचनाओं के कारण उन्हें 'राष्ट्रकवि' और 'युग-चरण' के रूप में सम्मानित किया गया। दिनकर तीन बार राज्य सभा के लिए चुने गए थे और वे 3 अप्रैल 1952 से 26 जनवरी 1964 तक इस सदन के सदस्य भी रह चुके हैं। वर्ष 1959 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। दिनकर ने अपनी आखिरी सांस 24 अप्रैल 1974 में ली थी।

इच्छाओं का दामन छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबा कर निचोड़ो। सतत चिन्ताशील व्यक्ति का कोई मित्र नहीं बनता। जैसे सभी नदियां समुद्र में मिलती हैं, उसी प्रकार सभी गुण अंततः स्वार्थ में विलीन हो जाते हैं। जिस काम से आत्मा सन्तुष्ट रहें उसी से चेतना भी संतुष्ट रहती है। दूसरों की निंदा करने से आप अपनी उन्नति को प्राप्त नहीं कर सकते। आपकी उन्नति तो तब ही होगी जब आप अपने आप को सहनशील और अपने अवगुणों को दूर करेंगे। सम्पूर्ण इंसान जाति में भेद नहीं करता। स्वार्थ हर तरह की भाषा बोलता है, हर तरह की भूमिका अदा करता है, यहां तक कि निःस्वार्थ की भाषा भी नहीं छोड़ता। सूर्यास्त होने तक मत रुको। चीजे तुम्हें त्यागने लगें, उससे पहले तुम्ही उन्हें त्याग दो। लोग हमारी चर्चा ही न करें, यह अधिक बुरा है। बल्कि वे हमारी निंदा करें, यह कम बुरा है। जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है। जिस काम से आत्मा सन्तुष्ट रहें। उसी से चेतना भी संतुष्ट रहती है। आजादी रोटी नहीं, मगर दोनों में कोई वैर नहीं। पर कहीं भूख बेताब हुई, तो आजादी की खैर नहीं। अभिनंदन लेने से मना करना, उसे दोबारा मांगने की तैयारी है। जिस इंसान के ह्रदय में भावना न हो, जिसे अपने देश से प्रेम नहीं, उसका ह्रदय ह्रदय नहीं पत्थर है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सफलता की कुंजी के लिए आत्मबल विकसित करें

जब हम पैदा होते हैं, तो हमारे पास आनुवंशिक संरचना और जैविक लक्षण होते हैं। हालाँकि, मनुष्य के रूप में हम कौन हैं इसका विकास सामाजिक संपर्क के माध्यम से होता है। प्रकृति बनाम पोषण बहस का तात्पर्य उस 'बहस' से है कि कैसे जैविक कारक और सामाजिक कारक सामाजिक व्यवहार को आकार देते हैं।
१६ बातें समझ लें तो आपका पूर्ण विकास चुटकी में होगा।
(१) आत्मबलः अपना आत्मबल विकसित करने के लिए 'ॐ... ॐ.... ॐ... ॐ... ॐ...' ऐसा जप करें ।
२) दृढ़ संकल्प : कोई भी निर्णय लें तो पहले तीसरे नेत्र पर (भ्रूमध्य में आज्ञाचक्र पर) ध्यान करें फिर निर्णय लें और एक बार कोई भी छोटे-मोटे काम का संकल्प करें तो उसमें लगे रहें ।
३) निर्भयता : भय आये तो उसके भी साक्षी बन जायें और उसे झाड़कर फेंक दें । यह सफलता की कुंजी है।
४) ज्ञान : आत्मा-परमात्मा और प्रकृति का ज्ञान पा लें । यह शरीर 'क्षेत्र' है और आत्मा 'क्षेत्रज्ञ' है । इस शरीररूपी खेत के द्वारा हम कर्म करते हैं अर्थात् बीज बोते हैं और फिर उसके फल मिलते हैं । तो हम क्षेत्रज्ञ हैं शरीर को और कर्मों को जाननेवाले हैं । प्रकृति परिवर्तित होनेवाली है और हम एकरस है। बचपन परिवर्तित हो गया, हम उसको जाननेवाले वही-के-वही हैं । गरीबी अमीरी चली गयी, सुख-दुःख चला गया लेकिन हम हैं अपने- आप, हर परिस्थिति के बाप। ऐसा दृढ़ विचार करने से, ज्ञान का आश्रय लेने से आप निर्भय और निःशंक होने लगेंगे ।
५) नित्य योग : नित्य योग अर्थात् आप भगवान में थोड़ा शांत होइये और 'भगवान नित्य हैं, आत्मा नित्य है और शरीर मरने के बाद भी मेरा आत्मा रहता है' इस प्रकार नित्य योग की स्मृति करें
(६) ईश्वर-चिंतन : सत्यस्वरूप ईश्वर का चिंतन करें ।*
(७) श्रद्धा : सत्शास्त्र, भगवान और गुरु में श्रद्धा यह आपके आत्मविकास का बहुमूल्य खजाना है ।
(८) ईश्वर विश्वास : ईश्वर में विश्वास रखें । जो हुआ, अच्छा हुआ, जो हो रहा है, अच्छा है और जो होगा वह भी अच्छा होगा, भले हमें अभी, इस समय बुरा लगता है । विघ्न-बाधा, मुसीबत और कठिनाइयों आती हैं तो विष की तरह लगती हैं लेकिन भीतर अमृत सैंजोये हुए होती हैं । इसलिए कोई भी परिस्थिति आ जाय तो समझ लेना, 'यह हमारी भलाई के लिए आयी है ।' आँधी-तूफान आया है तो फिर शुद्ध वातावरण भी आयेगा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

स्वयं मत बोलो, कर्म को बोलने दो

विनोबा भावे नित्य सारी चिट्ठियां जो आश्रम में आतीं, पढ़ा करते और समय से उत्तर देना नहीं भूलते थे। एकदिन एक आश्रम के वरिष्ठ सदस्य वहां बैठे हुए थे। चिट्ठियां

छांटते-छांटते विनोबा ने एक चिट्ठी पढ़ी और कूड़ेदान में डाल दी। उस व्यक्ति ने पूछा - 'आप तो हर पत्र को मन से पढ़ते हैं, इसे आपने थोड़ा पढ़कर कूड़ेदान में क्यों डाल दिया? यह किसका पत्र था जिसे आपने फाड़ डाला।' विनोबा जी ने कहा- 'महात्मा गांधी का पत्र था,' तो आपने बापू का पत्र क्यों फाड़ दिया? विनोबा ने कहा - 'ऐसे ही' उस सज्जन से रहा नहीं गया। उन्होंने उसे कूड़ेदानी से निकालकर जोड़ कर देखा कि क्या लिखा गया है। उसमें महात्मा गांधी जी ने विनोबा की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। उस सज्जन ने कहा- 'यह तो संग्रहणीय था- फाड़ना नहीं चाहिए था, यह तो धरोहर है।' विनोबा ने सीधे शब्दों में कहा- 'वह पत्र ही क्या जिसमें खाली बड़ाई लिखी हो। यह तो चित्त को गंदा कर देगा, अहंकार उत्पन्न करने वाला है' और फिर मुस्कुराने लगे।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

श्राद्ध करने से उतरता है पूर्वजों का ऋण

पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध के जरिए पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है और पिंड दान व तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें। पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

श्राद्ध विधि

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध करने की भी विधि होती है। यदि पूरे विधि विधान से श्राद्ध कर्म न किया जाए तो मान्यता है कि वह श्राद्ध कर्म निष्फल होता है और पूर्वजों की आत्मा अतृप्त ही रहती है। शास्त्रसम्मत मान्यता यही है कि किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के जरिए ही श्राद्ध कर्म (पिंड दान, तर्पण) करवाना चाहिए। श्राद्ध कर्म में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को तो दान दिया ही जाता है साथ ही यदि किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता भी आप कर सकें तो बहुत पुण्य मिलता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए। श्राद्ध करने के लिए सबसे पहले जिसके लिए श्राद्ध करना है उसकी तिथि का ज्ञान होना जरूरी है। जिस तिथि को मृत्यु हुई हो उसी तिथि को श्राद्ध करना चाहिए। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है कि हमें तिथि पता नहीं होती तो ऐसे में आश्विन अमावस्या का दिन श्राद्ध कर्म के लिए श्रेष्ठ होता है क्योंकि इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। दूसरी बात यह भी महत्वपूर्ण है कि श्राद्ध करवाया कहां पर जा रहा है। यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए.भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के समय शुरू करनी चाहिए. योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते समय अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए. मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

इन पांच जीवों का ही चुनाव क्यों किया गया है

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।. केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान

श्राद्ध न किया जाए तो पितर गृहस्थ को दारुण शाप देकर पितृलोक लौट जाते है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। वहीं, द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें श्राद्ध

- श्राद्ध करने के लिए किसी ब्राह्मण को आमंत्रित करें, भोज कराएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा भी दें।
- श्राद्ध के दिन अपनी सामर्थ्य या इच्छानुसार खाना बनाएं।
- आप जिस व्यक्ति का श्राद्ध कर रहे हैं उसकी पसंद के मुताबिक खाना बनाएं जो उचित रहेगा।
- मान्यता है कि श्राद्ध के दिन स्मरण करने से पितर घर आते हैं और अपनी पसंद का भोजन कर तृप्त हो जाते हैं।
- खाने में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल न करें।
- शास्त्रों में पांच तरह की बलि बताई गई हैः गौ (गाय) बलि, श्वान (कुत्ता) बलि, काक (कौवा) बलि, देवादि बलि, पिपीलिका (चींटी) बलि

कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

पितरों को खुश रहने के लिए श्राद्ध के दिनों में विशेष कार्य करना चाहिए वही इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

1. श्राद्ध करने के लिए ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे शास्त्रों में बताया गया है कि दिवंगत पितरों के परिवार में या तो ज्येष्ठ पुत्र या कनिष्ठ पुत्र और अगर पुत्र न हो तो नाती, भतीजा, भांजा या शिष्य ही तिलांजलि और पिंडदान देने के पात्र होते हैं।
2. पितरों के निमित्त सारी क्रियाएं गले में दाये कंधे मे जनेउ डाल कर और दक्षिण की ओर मुख करके की जाती है।
3. कई ऐसे पितर भी होते है जिनके पुत्र संतान नहीं होती है या फिर जो संतान हीन होते हैं। ऐसे पितरों के प्रति आदर पूर्वक अगर उनके भाई भतीजे, भांजे या अन्य चाचा ताउ के परिवार के पुरूष सदस्य पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर पिंडदान, अन्नदान और वस्त्रदान करके ब्राह्मणों से विधिपूर्वक श्राद्ध कराते है तो पितर की आत्मा को मोक्ष मिलता है।
4. श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन ही घर की रसोई में बनना चाहिए। जिसमें उड़द की दाल, बडे, चावल, दूध, घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जैसे तोरई, लौकी, सीतफल, भिण्डी कच्चे केले की सब्जी ही भोजन में मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियां पितरों को नहीं चढ़ती है।
5. श्राद्ध का समय हमेशा जब सूर्य की छाया पैरो पर पड़ने लग जाए यानी दोपहर के बाद ही शास्त्र सम्मत है। सुबह-सुबह अथवा 12 बजे से पहले किया गया श्राद्ध पितरों तक नहीं पहुंचता है।

पितरों के लिए श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने वाले को कोई निमित्त बनाना पड़ता है। यह निमित्त है श्राद्ध। पितरों के लिए कृतज्ञता के इन भावों को स्थिर रखना हमारी संस्कृति की महानता को प्रकट करता है।

कामाख्या मंदिर में 3 दिन नहीं होती पुरुषों की एंट्री

असम के गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर के बारे में कौन नहीं जानता है। बता दें कि यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में शुमार है। इस मंदिर को लेकर कई रोचक घटनाएं हैं, जिसको सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। बता दें कि कामाख्या देवी मंदिर में कोई मूर्ति नहीं है। बल्कि इस मंदिर में माता की योनि की पूजा-अर्चना की जाती है। जो हमेशा फूलों से ढकी रहती है। वीहीं इस मंदिर में स्थित कुंड से हमेशा पानी निकलता रहता है।

वहीं इस मंदिर में साल के तीन दिन पुरुषों की एंट्री बैन रहती है। बताया जाता है कि यदि इन तीन दिनों में कोई व्यक्ति मंदिर के अंदर का एक भी अंश देख लेता है, तो यहां के लोग नाराज हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसा करने से माता का अपमान होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर से जुड़ी मान्यता और इस अनोखी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं।

तीन दिन बंद रहता है मंदिर

बता दें कि 22 से 25 जून के बीच कामाख्या मंदिर के कपाट बंद रहते हैं। इस दौरान ब्रह्मपुत्र नदी का पानी लाल रहता है। मान्यता है कि इन दिनों माता सती रजस्वला में होती हैं। जिस कारण मंदिर में 3 दिन के लिए पुरुषों की एंट्री बंद हो जाती है। वहीं 26 जून से मंदिर के कपाट फिर से भक्तों के लिए खोल

दिए जाते हैं। कामाख्या मंदिर में दर्शन करने आने वाले भक्तों को अनोखा प्रसाद दिया जाता है। माता सती के तीन दिन रजस्वला में रहने के दौरान दरबार में सफेद कपड़ा रखा जाता है, जोकि लाल रंग का हो जाता है। फिर इस कपड़े को भक्तों में प्रसाद की तरह बांट दिया जाता है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक राजा दक्ष द्वारा एक यज्ञ किया गया था, जिसमें राजा दक्ष ने सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया था। लेकिन दक्ष ने इस यज्ञ में अपनी पुत्री सती और भगवाव शंकर को नहीं बुलाया था। लेकिन सती जिद कर पिता के यज्ञ में पहुंची, जहां पर राजा दक्ष ने शिव का अपमान किया और पति का अपमान सहन न कर पाने के कारण देवी सती ने आत्मदाह कर लिया। जब भगवान शिव को यह पता चलता है तो वह दुखी होकर सती के मृत शरीर को उठाकर पूरे संसार में घूमने लगते हैं। इस तरह से सृष्टि का संचालन ठगमगाने लगता है। जिस पर जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के मृत शरीर के टुकड़े कर देते हैं। यह टुकड़े जिस-जिस स्थान पर गिरते हैं, वहां-वहां पर शक्तिपीठ का निर्माण होता है। असम की इस जगह पर माता सती की योनि का भाग गिरा था। जोकि वर्तमान समय में कामाख्या मंदिर के नाम से जाना जाता है।

मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त अपने जीवन में तीन बार कामाख्या मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं, उनको सांसारिक जीवन के दुखों से मुक्ति मिल जाती है। कामाख्या मंदिर तंत्र विद्या के लिए भी काफी फेमस है। यही वजह है कि मंदिर के कपाट खुलने के बाद दूर-दूर से साधु औऱ संत तंत्र क्रिया के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

कब औऱ कैसे जाएं मंदिर?

कामाख्या मंदिर गुवाहाटी में स्थित है। ऐसे में आप फ्लाइट से गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंचे और फिर ऑटो या टैक्सी के जरिए सीधे कामाख्या मंदिर पहुंच जाएं। वहीं अगर आप रेलमार्ग से य़हां आना चाहते हैं, तो आप गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे और फिर टैक्सी, ऑटो रिक्शा या बस के जरिए मंदिर तक पहुंच सकते हैं। गुवाहाटी से कामाख्या मंदिर की दूरी करीब 8 किमी है।

सूर्य ग्रहण के दिन शुरु होगी नवरात्रि इन राशियों को होगा फायदा

इस बार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 3 अक्टूबर 2024 हो रही हैं और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 को हो रहा है। सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि का पर्व 9 दिन मनाया जाता है। नौ दिनों तक मां के 9 स्वरुपों की पूजा की जाती है। इस बार शारदीय नवरात्रि के पहले दिन साल का आखिरी सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। सूर्य ग्रहण इस बार 2 अक्टूर की रात 9.13 मिनट पर लगेगा और इसका समापन मध्यरात्रि 3.17 बजे तक रहेगा। ज्योतिष के अनुसार, सूर्य ग्रहण का नवरात्रि पर बिल्कुल असर नहीं पड़ेगा। नवरात्रि के शुभ दिन पर आप सही तरीके से घटस्थापना कर सकते हैं। वो इसलिए सूर्य ग्रहण का समापन मध्यरात्रि में 3.17 पर होगा और जिसके कारण नवरात्रि पर ग्रहण का असर नहीं होगा। इसके साथ ही शुभ कार्य भी किए जाएंगे। ज्योतिष के अनुसार, शारदीय नवरात्रि पर कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ मानी जा रही है।

वृषभ राशि : शारदीय नवरात्रि के वृषभ राशि के जातकों को आर्थिक लाभ पहुंचा सकते है। इस दौरान मां दुर्गा के आशीवार्द से वृषभ राशि के जातकों के रुके हुए कार्य पूरे होंगे और हेल्थ भी पहले से बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि : शारदीय नवरात्रि के दौरान वृश्चिक राशि के जातकों के लिए काफी शुभ मानी जा रही है। छात्रों को परीक्षा में लाभ होगा। नौकरी करने वाले लोगों को प्रमोशन प्राप्त हो सकता है। बिजनेस में भी फायदा होगा। इसके साथ ही आपका मन प्रसन्न रहेगा और धन लाभ भी होगा।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के लोगों के लिए शारदीय नवरात्रि बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप नई नौकरी के तलाश में हैं तो बहुत ही जल्द आपको नई नौकरी मिल जाएगी। पढ़ाई करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगा। आपका मन प्रसन्न रहेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृष — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मिथुन — मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा।

कर्क — विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कन्या — स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

तुला — किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक — चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

धनु — तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर — कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय

कुंभ — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मीन — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

भोजन द्वारा ग्रह मजबूत करें

सूर्य :- सूर्य अगर मजबूत हो तो हमें मान-सम्मान, सुख-समृद्धि मिलती है, पिता का संग और सहयोग मिलता है। अगर सूर्य कमजोर हो तो मुंह में थूक ज्यादा बनेगा, होठों के किनारों पर थूक इकट्ठा हो जाता हैं। पिता से नहीं बनेगी, सरकार से या सरकारी नौकरी में सस्पेंड होना या झूठे आरोप लगना, मान सम्मान को ठेस पहुंचना आदि परेशानी रहेगी। सूर्य को बल देने के लिए चोकर वाले आटे की रोटी खाएं, फल अधिक खाएं निहार मुंह गुड़ खाकर ऊपर से पानी पीयें, ग्वारपाठा का सेवन करें रोजाना व्यायाम करें सूर्य को जल दें।

चन्द्र :- मां से दूरी बन जाए, जातक वहमी हो जाए, हाथ-पैर शिथिल पड़ जाएं, चेहरे पर दाग-धब्बे पड़ जाएं, मन में उमंग खुशी न रहे तो समझें चंद्रमा खराब है।

चंद्रमा को ठीक करने के लिए दूध में हरी इलायची डालकर पियें, खीर खाएं, केवडा डालकर और चांदी के गिलास में पनीर और दूध पिए लीची, पनीर, नारियल खाए और मखाने की खीर खाने से चन्द्र मजबूत होता है। जंक फूड खाने से बचें क्योंकि इससे राहू एक्टिव हो जाता है।

मंगल :- जल्दी थकना, भाई-बहन से झगड़ा हो या दूरी बन जाए, चोट ज्यादा लगे हड्डियों

का टूटना शरीर में खून की कमी हो जाए और शरीर में ऊर्जा की कमी रहें, तो समझ लें मंगल खराब हैं पपीता, चुकंदर खाने से मंगल मजबूत होता है। गुड़ डालकर मीठी लस्सी पिए, मंगल मजबूत होगा। लौकी, तौरी की सब्जी खाएं।

बुध :-बुध कमजोर होगा तो दांत खराब होंगे, जातक अपने विचारों को अभिव्यक्त नहीं कर पायेगा, स्किन (त्वचा) के रोग हो जाते हैं, बुद्धि खराब हो जाती है, मेमोरी कम हो जायें। इसके लिए हरी मिर्च, आंवला, हरी सब्जियों का खूब सेवन करें तांबे के बर्तन में रखा हुआ जल पिए।

गुरुः-गुरु खराब हो तो जातक मोटा होता चला जाता है, आपसी रिश्ते बिगड़ जाते है लीवर खराब हो जाता है अस्थमां सांस की बीमारी हो जाती है। इसके लिए अनार और पपीता, गन्ना खाएं, गुड खाएं। सूर्य अगर सम्मान देता है, तो गुरु उस सम्मान को बनाए रखता है, इसलिए गुरु को मजबूत रखें सांस की बीमारी हो तो रात को दूध में दो चुटकी हल्दी डालकर पिए. केला के सेवन से भी गुरु मजबूत होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

शुक्र :- शुक्र खराब हो तो तन, मन, धन सब पर ग्रहण लग जाता है धन, वैभव, ऐश्वर्य सभी कुछ शुक्र अच्छा हो, तो ही मिलता है अतः शुक्र को बली रखने के लिए साबूदाने की खीर खाएं, पनीर खाएं, छेना तथा छेने की बनी मिठाइयां खाए, दूध पछाड़कर उस पानी को पीने से भी शुक्र मजबूत होता है।

शनि : व्यावहारिक जीवन में कुछ पाना है तो शनि मजबूत होना चाहिए उड़द, राजमा, खाये चावल आदि में (लौंग) डालकर खाएं, राई का पानी पियें, शनि मजबूत होगा।

दो बजे दोपहर

खबर संक्षेप

धार्मिक झंडा लगाने को लेकर दो समुदायों के बीच चले ईट-पत्थर

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती जिले में धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई। दरअसल शहर के भंगहा भाजार में शनिवार रात धार्मिक झंडा लगाने को लेकर 2 समुदायों के बीच झड़प हो गई। देखते ही देखते दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। जिससे एक महिला समेत तीन लोग घायल गए। सूचना मिलने पर आला अधिकारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और हालात पर नियंत्रण पाया।

कोतवाली क्षेत्र भिनगा के भंगहा बाजार में नवरात्र को लेकर शनिवार देर शाम को एक समुदाय के कुछ बच्चे धार्मिक झंडे लगा रहे थे। बिजली के खंभे पर झंडा लगाने के दौरान दूसरे समुदाय के एक परिवार ने विरोध किया और एक युवक ने सीढ़ी खींच ली। इससे सीढ़ी पर चढ़ा किशोर नीचे गिर गया। इस पर बच्चों में विवाद हो गया। दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने झंडे लगा रहे बच्चों की पिटाई कर दी। जानकारी होने पर दोनों समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए और उनमें मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोगों ने अपने घर व छतों से पथराव कर दिया। इसमें एक पक्ष से शकुंतला (55) पत्नी राम चन्दर, प्रीतम (17) पुत्र अरुण कुमार पटवा जबकि दूसरे पक्ष से इमरान (25) पुत्र मुन्ना घायल हो गए। विवाद की सूचना पर भंगहा पुलिस चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधिकारियों को सूचित किया। सूचना के बाद पुलिस महकमा अलर्ट हो गया और मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल व पीएसी को तैनात कर दिया गया।

महिला ने जहर खाकर की खुदकुशी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां शनिवार की शाम एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। आनन-फानन में उसे एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। इससे पहले महिला की बेटी और बेटा भी खुदकुशी कर चुके हैं। वहीं, तीनों के आत्मघाती कदम से क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। वहीं, कुनबे के एक प्रमुख सदस्य को ही घटनाओं का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

ये घटना एयरपोर्ट थाने के चंद्रसेन गांव का है। अशोक कुमार की 45 वर्षीय पत्नी सल्ला देवी ने शनिवार की शाम सब्जियों के खेत में छिड़काव के लिए घर पर रखी दवा पी ली। तबीयत बिगड़ने पर पति ने परिजनों की मदद से जिले के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कुछ ही घंटे बाद मौत हो गई। अस्पताल से शव लेकर घर आए परिजनों ने पुलिस को खबर किए बिना रात को ही अंतिम संस्कार कर दिया।

साढ़े सात वर्षों में 872 दुर्दांत और 379 साइबर अपराधियों को भेजा गया जेल, 49 मुठभेड़ में ढेर

एजेंसी । लखनऊ

यूपीएसटीएफ ने प्रदेश के दुर्दांत अपराधियों, अवैध नशे के सौदागरों, हथियार तस्करों, साइबर अपराधियों समेत परीक्षा माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में 7 हजार से अधिक कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। वहीं, बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, नशीला पदार्थ, प्रतिबंधित जानवरों की खाल व हड्डियां भी बरामद की हैं। इसके अलावा, एसटीएफ ने अपनी सूझबूझ से 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोककर अपराधियों की योजना को नाकाम कर दिया।

559 से अधिक हत्या, अपहरण, लूट की घटना

एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसटीएफ की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में कुल 7,015 कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है जबकि इस दौरान 49 अपराधी मारे गये। इन सभी पर 10 हजार से लेकर 5 लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सजगता और सतर्कता के फलस्वरूप 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया। इसमें जनप्रतिनिधि, प्रतिष्ठित व्यक्ति, आम नागरिकों के अपहरण, लूट, हत्या जैसे अपराध की घटनाएं शामिल हैं।

पेपर लीक में लिप्त 193 गिरोह के 926 सरगना व सॉल्वरों के खिलाफ की गई कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी धांधली को रोकने एवं जड़ से खत्म करने के लिए 193 गिरोहों के 926 सरगना और साल्वरों के खिलाफ कार्रवाई की। एसटीएफ की इस कार्रवाई से युवाओं में योगी सरकार की साख बढ़ी है। वहीं, साइबर अपराधों में लिप्त 379 साइबर अपराधियों को भी दबोचा गया है। इसके अलावा, अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर 189 अपराधियों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से 2080 अवैध शस्त्र और 8229 अवैध कारतूस बरामद किये गये हैं। एसटीएफ ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई राज्यों से शराब की तस्करी करने वाले 523 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

अवैध नशे के 1083 सौदागरों को किया गया अरेस्ट, 6.1 किलो ब्राउन शुगर बरामद

एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने बताया कि एजेंसी ने मादक पदार्थों के अवैध व्यवसाय में लिप्त 1082 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से 91147.48 किलो गांजा, 2054.651 किलो चरस, 19727.1 किलो डोडा/पोस्ता, 7.06 किलो मॉरफीन, 723.758 किलो स्मैक, 21.521 किलो हेरोइन, 181.012 किलो अफीम, 6.1 किलो ब्राउन शुगर, 6.938 किलो मैथाड्रोन और 280899 अदद प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की गयी। इस दौरान मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों की भी बरामदगी करते हुए उचित कार्रवाई की गई। वहीं, प्रतिबन्धित वन्य जीवों का शिकार कर उनकी तस्करी करने वाले विभिन्न गिरोह के 170 अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 341 किलो कछुआ कैलीपी, 2 पैंगोलिन, 1 बाघ की खाल, 18 किग्रा बाघ की हड्डी, 2 अदद हाथी दांत, 8011 कछुए, 4922 प्रतिबंधित पक्षी, 1 लकड़बग्घे का कंकाल, 20 अदद ग्रे लंगूर, 1 तेंदुए की खाल, 4.12 किलो अम्बरगेरिस, 1 पैंगोलीन स्कलप, 4 जंगली शूकर के दाँत, 563.1 किग्रा लाल चन्दन की लकड़ी, 44 हाथी दांत से बनी वस्तुएं, 25 अदद तेंदुए के दांत, 24 अदद तेंदुए के नाखून, 110 सियार सिंगी, 140 इंद्रजाल के पेड़, 1 बाघ का ढांचा, 1 अजगर और 1 स्नेक बरामद किया गया। वहीं, इनके लिए प्रयुक्त किये जाने वाले वाहन, नगद धनराशि आदि की भी बरामदगी की गयी।

जनता की समस्याओं का जल्द समाधान करें: सीएम योगी

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने करीब 900 लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रविवार को आयोजित जनता दर्शन में लगभग 300 लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। जमीन कब्जे की शिकायतों पर सीएम योगी ने सख्त कार्रवाई का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री के समक्ष इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर कई महिलाएं पहुंचीं। सीएम योगी ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इलाज में हर संभव मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को आयुष्मान कार्ड की प्रक्रिया तेजी से पूरी करने और पात्र लोगों का कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया।

रेलवे ट्रैक पर बिजली का खंभा रखने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद। रामपुर जिले के बिलासपुर में रेलवे ट्रैक पर बिजली का खंभा रखने वाले दो आरोपियों को जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पोल को चोरी कर ले जा रहे थे। इस बीच ट्रेन आ जाने से वह उसे छोड़कर फरार हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नशे के आदी है। नैनी जन शताब्दी ट्रेन को पलटाने की साजिश में राजकीय रेलवे पुलिस(जीआरपी) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जीआरपी ने दावा किया है कि नशे के लिए दोनों बिजली का खंभा चोरी कर ले जा रहे थे। इस बीच ट्रेन आने के कारण आरोपी खंभा ट्रैक पर ही छोड़कर भाग निकले। जीआरपी ने किसी तरह की साजिश होने से भी इनकार किया है। बुधवार तड़के देहरादून से काठगोदाम जा रही नैनी जन शताब्दी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने रुद्रपुर रेलवे स्टेशन के पहले ट्रैक पर लोहे का खंभा देखा। इसके बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक ली। खंभा हटाने के बाद वह ट्रेन लेकर रुद्रपुर स्टेशन पहुंचा। उसकी घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर को दी।इससे रेलवे अफसरों के साथ जीआरपी व पुलिस प्रशासन में भी खलबली मच गई थी।

पुलिस-प्रशासन और रेलवे अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जीआरपी व आरपीएफ ने मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो दो आरोपी खंभा हटाते दिखाई दिए। इसके बाद तफ्तीश शुरू कर दी थी। पुलिस जगह-जगह दबिश थी। रविवार को जीआरपी ने दो लोगों को पकड़ लिया। जीआरपी के थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए लोगों में बिलासपुर थाने के मलिक फार्म निवासी सन्नी ऊर्फ सनिया ऊर्फ संदीप चौहान पुत्र तेजपाल और बिलासपुर के ही सोढ़ी कॉलोनी निवासी विजेंद्र ऊर्फ टिंकू हैं।

डीसीएम-बाइक में टक्कर, दो दोस्तों की मौत

लखनऊ। कान में लीड लगाकर गाना सुनते हुए डीसीएम दौड़ा रहे चालक ने बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक डीसीएम में फंसकर 100 मीटर तक घिसटती चली गई और दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। उसे ट्रॉमा-2 में भर्ती कराया गया है। वहीं, आरोपी चालक डीसीएम छोड़कर भाग निकला।

बिजनौर के परवर पूरब गांव निवासी मैकूलाल का बेटा करन (22), साथी संदीप (22) व इंद्र कुमार (23) के साथ बाइक से शाम चार बजे बहादुरखेड़ा स्थित सुअर बाड़ा जा रहा था। जंगली खेड़ा मोड़ से होते हुए बाइक सवार जैसे ही हाईवे पर चढ़े, तभी मोहनलालगंज-जुनाबगंज से आ रही डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी।

डीसीएम का पहिया पेट पर चढ़ने से संदीप की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद आरोपी चालक डीसीएम छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने घायल करन व इंद्र कुमार को ट्रॉमा-2 में भर्ती कराया, वहां इलाज के दौरान करन की भी मौत हो गई। घायल इंद्र कुमार की हालत गंभीर है।

अपर महाधिवक्ता के नाम पर धोखाधड़ी की कोशिश

प्रयागराज। अपर महाधिवक्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी के नाम का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी, जालसाजी और छल करने का मामला सामने आया है। वरिष्ठ अधिवक्ता के घर पंजीकृत डाक से पत्र पहुंचा तो उन्हें मामले की जानकारी हुई। यह देखकर वह सन्न रह गए। उन्होंने तत्काल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सिविल लाइंस में मिंटो रोड निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उप्र सरकार के अपर महाधिवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। 18 सितंबर को उनके घर पर पंजीकृत डाक पत्र मिला। पत्र में एक पेन भी था। पत्र किसी अनुराग जायसवाल द्वारा पापुलर स्टील्स, महावीर कम्प्यूटर, कान्ता सुखि

सुल्तानपुर रोड शाहगंज, जिला जौनपुर को भेजा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने तहरीर दी है कि पत्र को पढ़ने के पश्चात ऐसा प्रतीत होता है कि उनके नाम पर कोई व्यक्ति जिसका नाम अबूजर भाई है। उसने किसी अनुराग जायसवाल को आर्म्स लाइसेंस दिलाने के लिए मेरे स्तर से पैरवी किए जाने का उल्लेख करते हुए मेरे नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है कि वह अबूजर भाई निवासी शाहगंज से खुटहन रोड पर 3 किमी पर नायरा पेट्रोल पम्प) को न तो जानते व पहचानते हैं और न ही किसी अनुराग जायसवाल को जानते व पहचानते हैं।

33000 करोड़ रुपए का निवेश, शेयर बाजार की लम्बी छलांग पर FPI ने खोला खजाना

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में करीब 33,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती और भारतीय बाजार की मजबूती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि यह इस साल अबतक एक महीने में भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयर बाजार में 35,100 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट ?

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में एफपीआई की खरीदारी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (20 सितंबर तक) अबतक शेयरों में शुद्ध रूप से 33,691 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में उनका निवेश 76,572 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। इससे पहले, अप्रैल-

मई में उन्होंने शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये की राशि निकाली थी। सितंबर में अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद के बीच एफपीआई लिवाल रहे हैं। 18 सितंबर को फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद एफपीआई ने और आक्रामक तरीके से लिवाली की हैं। विश्लेषक कंपनी गोलफाई के स्मॉलकेस प्रबंधक, संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबिन आर्य के मुताबिक, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और फेडरल रिजर्व के रुख से भारतीय शेयर बाजार एफपीआई के लिए आकर्षक बने हुए हैं।

बीडीओ इंडिया के भागीदार एवं लीडर-एफएस टैक्स, कर और नियामकीय सेवाएं मनोज पुरोहित ने कहा कि इसके अतिरिक्त संतुलित राजकोषीय घाटा, दर कटौती के भारतीय मुद्रा पर प्रभाव, मजबूत मूल्यांकन और भारतीय रिजर्व बैंक के महंगाई पर नियंत्रण क रुख की वजह से भारत जैसे उभरते बाजार एफपीआई के लिए आकर्षक बने हुए हैं।

लगातार दूसरी साल बोनस शेयर दे रही है कंपनी

एजेंसी । नई दिल्ली

बोनस शेयर बांटने वाली कंपनियों के शेयरों को खरीदने की इच्छा रखने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। NDR Auto Components Ltd ने लगातार दूसरी बार बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया है। कंपनी एक शेयर पर एक शेयर बोनस दे रही है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया है कि एक शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। कंपनी 25 सितंबर 2024, दिन बुधवार को एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड

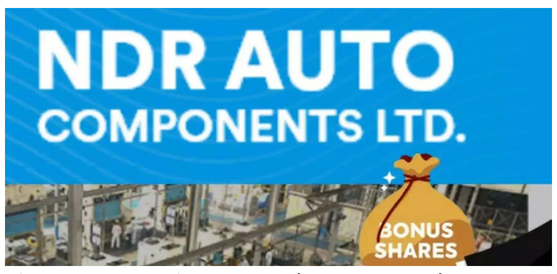

करेगी। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें बोनस इश्यू का लाभ मिलेगा। बता दें, इशसे पहले कंपनी पिछले साल जुलाई में एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड की थी। तब भी कंपनी ने एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट की के साथ 1693.15 रुपये पर था। पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 113 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो चुका है।

45 पैसे के शेयर ने पकड़ी तूफानी रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

आमतौर पर शेयर बाजार में पेनी स्टॉक में दांव लगाना काफी जोखिम भरा माना जाता है। हालांकि, पेनी स्टॉक कम समय में शानदार रिटर्न दे जाते हैं और यही वजह है कि निवेशकों को इस तरह के शेयर खूब आकर्षित करते हैं। आज हम जिस शेयर की बात कर रहे हैं उसने अपने निवेशकों को लगातार मालामाल करने का काम किया है। हम बात कर रहे हैं- निसा कॉर्पोरेशन शेयर (Nyssa Corporation share) की। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 10% तक चढ़ गए और 13.31 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गए थे। पिछले पांच दिन में यह शेयर करीबन 60%तक चढ़ गए हैं। पांच दिन पहले इस शेयर की कीमत 8 रुपये थी।

महीने भर में पैसे डबल

निसा कॉर्पोरेशन शेयर पिछले एक महीने में 98% तक चढ़ गए। यानी इस दौरान निवेशकों के पैसे करीबन डबल ही हो गए। महीनेभर में यह शेयर 6.75 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गए। इस साल YTD में अब तक यह शेयर 165% तक चढ़ गया है। इस अवधि में यह पेनी स्टॉक 5 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है। सालभर में इस शेयर में 115% तक की तेजी आई है। 25 सितंबर 2020 से अब तक निसा कॉर्पोरेशन के शेयर 47 पैसे से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गए। यानी कि 4 साल में ही इसने अपने निवेशकों को 2800% से अधिक का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसने एक लाख के निवेश को बढ़ाकर 29 लाख रुपये कर दिया है।

डिफेंस स्टॉक देने जा रहा है 16वीं बार डिविडेंड

एजेंसी । नई दिल्ली

जिन डिफेंस कंपनियों (Defence Stocks) ने शेयर बाजार में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है उसमें कोचिन शिपयार्ड (Cochin Shipyard Ltd) एक है। कंपनी अब निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही है। इस डिविडेंड के लिए घोषित रिकॉर्ड डेट कल यानी सोमवार को है। बता दें, पिछले हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन को कोचिन शिपयार्ड के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों का भाव 10 प्रतिशत बढ़ गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में

कहा है कि एक शेयर पर 2.25 रुपये का डिविडेंड एक शेयर पर दिया जाएगा।

इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 23 सितंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि कल है। बता दें, कोचिन शिपयार्ज 16वीं बार डिविडेंड देने जा रहा है। शुक्रवार को इस डिफेंस स्टॉक में 10 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया था। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 10 प्रतिशत की उछाल के बाद 1846.55 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। लम्बे समय के बाद कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। पिछले एक महीने से शेयर बाजार में जूझ रहे इस डिफेंस स्टॉक ने बीते एक के दौरान निवेशकों को 255 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 100 प्रतिशत से अधिक का लाभ मिल चुका है। बीएसई में कंपनी का 52 वीक हाई 2,977.10 रुपये और 52 वीक लो लेवल 435.75 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 48,579.18 करोड़ रुपये का है। इसी साल जनवरी के महीने में कोचिन शिपयार्ड के शेयरों को 2 हिस्सों में बांट दिया गया था। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये हो गई थी।

दलीप ट्रॉफी 2024 की चैंपियन बनी इंडिया ए टीम

आखिरी मैच में 132 रनों से दर्ज की जीत

एजेंसी | नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2024 का धमाकेदार अंत हो गया है। इसके आखिरी मैच में तनुष कोटियान और प्रसिद्ध कृष्णा के छह विकेट के सामने रविवार को साई सुदर्शन की 111 रन की पारी भी भारत सी के काम नहीं आ सकी और भारत ए ने 132 रन से जीत दर्ज कर दलीप ट्राफी अपने नाम की। दो मैच में छह अंक से अंतिम दौर में प्रवेश करने वाली भारत ए टीम ने चार दिवसीय मुकाबले में दबदबा बनाया जो भारत सी से तीन अंक पीछे थी जिसके 09 अंक थे।इस जीत से भारत ए के तीन मैच में 12 अंक हो गये जिससे वह तीन मैच के बाद शीर्ष पर पहुंच गई और विजेता बनी।

साईं सुदर्शन की पारी गई बेकार

सुदर्शन ने 206 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 111 रन की शानदार पारी खेली लेकिन उन्हें दूसरे छोर पर साथ नहीं मिला। कृष्णा ने 78वें ओवर में तमिलनाडु के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज को आउट कर दिया जिससे भारत सी की चुनौती आखिरकार खत्म हो गई। आकिब ने चौथे नंबर के बल्लेबाज रजत पाटीदार (07) को आउट किया जबकि कोटियान के मुंबई के साथी शम्स मुलानी ने मानव सुथार को आउट किया।

टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	अंक
इंडिया ए	3	2	1	0	12
इंडिया सी	3	1	1	1	9
इंडिया बी	3	1	1	1	7
इंडिया डी	3	1	2	0	0

350 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी इंडिया सी

अंतिम दिन 350 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया सी 81.5 ओवर में 217 रन पर सिमट गई जिसमें कृष्णा ने अपने 13.5 ओवर में 50 रन देकर तीन विकेट झटके जिसमें मैच का अंतिम विकेट भी शामिल था।चाय के समय मुकाबला दिलचस्प स्थिति में था जब भारत सी ने तीन विकेट पर 169 रन बना लिए थे। सुदर्शन और ईशान किशन क्रीज पर थे और उन्हें लगभग 30 ओवर के अंतिम सत्र में 182 रन की जरूरत थी।

रियान पराग ने खेली शानदार पारी

कर्नाटक के तेज गेंदबाज कृष्णा ने अंतिम चरण में अपने खाते में दो और विकेट जोड़े। उन्होंने अंशुल कंबोज और तमिलनाडु के मुख्य गेंदबाज बाबा इंद्रजीत को शून्य पर आउट कर अपनी टीम के लिए बड़ी जीत सुनिश्चित की।दिन की शुरूआत में भारत ए ने सिर्फ दो ओवर बल्लेबाजी करने के बाद छह विकेट पर 286 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी।रियान पराग (73) और शाश्वत रावत (53) ने अर्धशतक जड़े तथा विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 42 रन का योगदान दिया जिससे भारत ए की कुल बढ़त 349 रन तक पहुंच गई।

केन विलियमसन बने न्यूजीलैंड के सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी

■ रॉस टेलर का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी | नई दिल्ली

केन विलियमसन ने न्यूजीलैंड के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। पूर्व कप्तान केन विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। केन विलियमसन ने अपनी टीम के पूर्व कप्तान और लंबे समय तक टीम में साथी रहे रोस टेलर को पीछे छोड़ दिया है। केन विलियमसन ने ये उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन पहले से ही टेस्ट क्रिकेट में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अब वे कीवी टीम के लिए टॉप स्कोर इंटरनेशनल क्रिकेट में बन गए हैं। इस मैच की पहली पारी में केन विलियमसन 55 रन बनाकर आउट हुए थे और दूसरी पारी में जैसे ही उन्होंने 17वां रन बनाया तो वे रॉस टेलर से आगे निकल गए। दोनों पारियों में उन्होंने 85 रन बनाए। केन विलियमसन के अब 359 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल) में 18,213 रन हो गए हैं। 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड को भारत पर जीत दिलाने वाले कप्तान केन विलियमसन ने 10 अगस्त 2010 को दांबुला में भारत के खिलाफ खेले गए वनडे इंटरनेशनल मैच में कीवी टीम के लिए डेब्यू किया था। उसी साल उन्होंने टेस्ट डेब्यू भी किया था और 15 अक्टूबर 2011 को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

रोस टेलर ने 18,199 रन बनाए थे

रोस टेलर ने कीवी टीम के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में 18,199 रन बनाए थे, लेकिन 22 सितंबर 2024 को केन विलियमसन उनसे आगे निकल गए। 34 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज को श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टेलर का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 72 रनों की जरूरत थी और उन्होंने दूसरी पारी में 30 रन की पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

अखिल भारतीय वाईएमसीए कबड्डी टूर्नामेंट 11 से 13 अक्टूबर तक फरीदाबाद में

एजेंसी | फरीदाबाद

शुरूआती अखिल भारतीय वाईएमसीए कबड्डी टूर्नामेंट 11 से 13 अक्टूबर तक वाईएमसीए मल्टी पर्पस स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट मैदान पर आयोजित किया जायेगा। केरल, चेन्नई, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली सहित कुल 15 टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। फरीदाबाद की दो स्थानीय टीमें भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। हरियाणा जिला कबड्डी संघ के अधिकृत अधिकारी टूर्नामेंट अयोजित करायेंगे।

उमेश ने स्वर्ण जीता, सुकांत, सिवाराजन और मंदीप को रजत पदक

एजेंसी | नई दिल्ली

उमेश विक्रम ने रविवार को यहां इंडोनेशिया पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में एसएल3 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि सुकांत कदम, सिवाराजन सोलाईमलई और मंदीप कौर ने अपनी स्पर्धाओं में रजत पदक हासिल किये। सुकांत ने पुरुष एकल एसएल4 स्पर्धा में जबकि सिवाराजन ने पुरुष एकल एसएच6 वर्ग में रजत पदक जीता। भारत ने इंडोनेशिया के सराकार्ता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय लेवल 2 के टूर्नामेंट में 34 पदक जीते।

पुरुष एकल एसएल3 में उमेश ने हमवतन और शीर्ष वरीय नेहाल गुप्ता पर फाइनल में 12-21 21-8 21-19 से जीत हासिल की। सुकांत पेरिस पैरालंपिक में प्लेऑफ में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से हारकर कांस्य पदक से चूक गये थे और वह यहां एसएल4 फाइनल में फिर इस

इंडोनेशियाई से 14-21 14-21 से पराजित हो गये। सिवाराजन को एसएच6 फाइनल में शीर्ष वरीय इंडोनेशियाई सुभान सुभान से 19-21 15-21 से हार मिली। मंदीप कौर को एसएल3 फाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय कोनिताह इख्तियार सयाकुरोह से 10-21 5-21 से हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय दल का टूर्नामेंट में प्रदर्शन मजबूत रहा, पर उमेश ही एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी रहे। जगदीश दिली ने इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता।

ऑस्ट्रेलिया में भारत की संभावनाओं के लिए अहम होगी बुमराह और पंत की फिटनेस और फॉर्म :चैपल

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चैपल ने कहा कि अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखलाओं की जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक हासिल करनी है तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को चोटों से मुक्त और शीर्ष फॉर्म में रहना होगा। चैपल को लगता है कि भारतीय टीम के लिए इस विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच टेस्ट मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला से पहले आदर्श तैयारी है जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट भी शामिल हैं। चैपल ने 'ईएसपीएन

क्रिकइन्फो' में अपने कॉलम में लिखा, ''भारत की प्राथमिकता यही होगी कि उसके ज्यादातर खिलाड़ी फॉर्म में रहें और उन्हें कोई बड़ी चोट नहीं लगे। हालांकि सबसे ज्यादा जरूरी बात जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का फॉर्म में रहना और चोटों से मुक्त रहना होगा।''

पिछली श्रृंखला में मिली जीत के नायक रहे पंत

पंत 2020-21 में भारत को आस्ट्रेलिया में पिछली श्रृंखला में मिली जीत के नायक रहे थे। चैपल ने कहा, ''अगर पंत अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं तो यह भारत के लिए अच्छा होगा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए आदर्श विकेटकीपर हैं।'' उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए अहम पहलू बुमराह की फिटनेस और फॉर्म होगी। बुमराह ने अगस्त 2023 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' सर्जरी के बाद वापसी के बाद से अपना कार्यभार अच्छी तरह प्रबंधित किया है। चैपल ने कहा, ''पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर दो सबसे सफल तेज गेंदबाज बुमराह और मोहम्मद सिराज दोनों की अच्छी फॉर्म और फिटनेस जरूरी है। बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हैं।'' वह मोहम्मद शमी के भी श्रृंखला शुरू होने से पहले फिट होने की उम्मीद कर रहे हैं।

शालीन भनोट ने 'खतरों के खिलाड़ी 14' में फिनाले का टिकट किया पक्का

रोहित शेट्टी होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 14' का ग्रांड फिनाले अब ज्यादा दूर नहीं है। करणवीर मेहरा पहले ही फिनाले में अपनी जगह बना चुके हैं, लेकिन सवाल यह था कि ग्रांड फिनाले में कौन उन्हें चुनौती देने के लिए खड़ा होगा। अब एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक शालीन भनोट ने नियति और गश्मीर के बीच हुए एक टफ कॉम्पटिशन के बाद ग्रांड फिनाले में अपनी जगह पक्की कर ली है। शो के 21 सितंबर के एपिसोड में दिखाया गया था कि कौन सा खिलाड़ी ग्रांड फिनाले में करणवीर के खिलाफ खड़ा हो सकता है।

पहले राउंड में हुआ कांटे का मुकाबला

गश्मीर महाजनी, कृष्णा श्रॉफ, नियति फतनानी, अभिषेक कुमार, सुमोना चक्रवर्ती और निम्रित कौर अहलूवालिया के बीच हुए मुकाबले के बाद साफ हो गया कि शालीन भनोट अगले फाइनलिस्ट हैं। पहले स्टंट में गश्मीर, सुमोना और निम्रित के बीच मुकाबला हुआ। गश्मीर ने सबसे कम वक्त में टास्क पूरा किया। गश्मीर को मौका मिला कि उनके कॉम्पटिशन के बाद तय हो, कि कौन सा खिलाड़ी फिनाले में करणवीर के खिलाफ मुकाबला करेगा।

पार्टनर टास्क में शालिन का दिखा दम

दूसरा टास्क एक पार्टनर स्टंट था जिसमें शालीन भनोट और नियति फतनानी एक साथ थे। दोनों ने अपने कॉर्डिनेशन और सूजबूझ से सभी को हैरान कर दिया। दूसरी तरफ कृष्णा श्रॉफ और अभिषेक कुमार थे, जो टास्क भी कम्पलीट नहीं कर पाए। लिहाजा शालीन और नियति विजेता बन गए। उनकी जीत ने उन्हें साथ में फिनाले में जाने का मौका दिया था इसलिए आखिरी मुकाबले में शालीन, गश्मीर और नियति के बीच हेड-टू-हेड कॉम्पिटिशन हुआ।

शालिन को यूं मिला टिकट टू फिनाले

गश्मीर ने हालांकि अच्छी शुरुआत की लेकिन तीन फ्लैग कलेक्ट करने के बाद संतुलन खो दिया। जबकि शालीन ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी को इंप्रेस कर दिया। उसकी परफॉर्मेंस ने सभी का दिल जीत लिया। अब अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि तीसरा फाइनलिस्ट तय किया जाएगा जिसके बाद तीन फाइनलिस्ट ग्रैंड फिनाले में एक दूसरे से टकराएंगे। वैसे आपके मुताबिक इस सीजन का विजेता कौन होगा?

'गोट' एक्ट्रेस पर लगा मारपीट का आरोप

विजय थलापति की फिल्म 'गोट' में नजर आईं एक्ट्रेस पार्वती नायर मुसीबत में फंस गई हैं। उनके हाउस हेल्प (घर में काम करने वाला) ने उनके खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया है। उनके हाउस हेल्प ने एक्ट्रेस पर मारपीट का मामला दर्ज करवाया है। पार्वती नायर के साथ-साथ 'अयलान' के निर्माता राजेश समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है। हाउस हेल्प ने पुलिस को बताया कि पार्वती नायर, राजेश समेत पांच लोगों ने उन्हें कमरे में बंद करके उनके साथ मारपीट की है। इस पूरे मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और केस फाइल कर दिया है। कुछ सालों पहले पार्वती नायर ने अपने हाउस हेल्प सुभाष चंद्रा बोस पर करीब 10 लाख तक के सामान की चोरी का आरोप लगाया था। एक्ट्रेस ने सुभाष चंद्रा के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज की थी। हालांकि, अब सुभाष चंद्रा सबके सामने आए हैं और उन्होंने अपनी कहानी सुनाई है।

पार्वती नायर पर लगे मारपीट के आरोप

Indiaglitz की रिपोर्ट के मुताबिक, सुभाष ने पार्वती और फिल्म 'अयलान' के निर्माता राजेश समेत पांच और लोगों पर आरोप लगाया है कि चोरी के झूठे आरोप में उन लोगों ने सुभाष को कमरे में बंद करके उसके साथ मारपीट की। बता दें, इस मामले में जांच जारी है।

रामगोपाल वर्मा की फिल्म 'साड़ी' का सॉन्ग 'आई वांट लव' हुआ रिलीज

राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'साड़ी' के गीत 'आई वांट लव' का लिरिकल वीडियो आज आउट कर दिया गया है जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस गाने का संगीत डीएसआर बालाजी ने कम्पोज़ किया है वहीं गीतकार नितिन रायकवार हैं जिन्होंने आती क्या खंडाला सॉन्ग लिखा था और रामगोपाल वर्मा की कई फिल्मों के गीतकार रहे हैं। इस मधुर गीत की गायिका कीर्तना सेश हैं।

आरजीवी आरवी प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फ़िल्म साड़ी की टैगलाइन है 'बहुत अधिक प्यार डरावना हो सकता है।' कई सच्ची घटनाओं पर आधारित इस साइक्लोजिकल थ्रिलर फ़िल्म के निर्माता रवि वर्मा, निर्देशक गिरि कृष्ण कमल हैं। यह फ़िल्म एक लड़की के लिए एक लड़के के पागलपन भरे जुनून की कहानी है, जो डरावना हो जाता है। सत्या यादव ने उस लड़के की भूमिका निभाई है जो आराध्या देवी अभिनीत एक लड़की को देखता है और उसका पीछा करना शुरू कर देता है और उसकी भावनाएँ धीरे-धीरे खतरनाक हो जाती हैं। फ़िल्म साड़ी के टीज़र को सोशल मीडिया पर बहुत पसन्द किया जा रहा है। इसे कुछ दिनों में मिलियन व्यूज मिल गए हैं। टीज़र देखकर रामगोपाल वर्मा स्टाइल के सिनेमा की याद आ जाती है। थ्रिल, डर, ट्विस्ट से भरपूर यह फ़िल्म नवंबर में 4 भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

सोनाक्षी सिन्हा ने शादी के बाद पहली बार साझा की संडे सेल्फी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 23 जून को शादी के बंधन में बंध गए थे। उसके बाद से कपल क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहा है। इसी बीच सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है जिसमें उन्होंने बताया है कि वह काफी समय के बाद यह काम कर रही हैं। सोशल मीडिया पोस्ट पर फैंस भी प्यार बरसाते हुए नजर आए हैं।

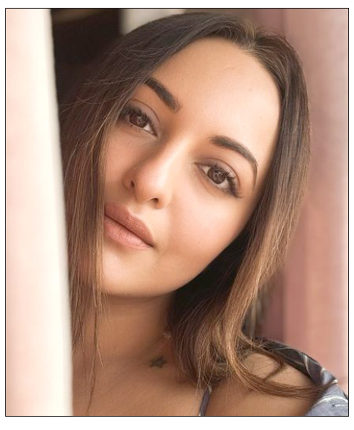

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी सुर्खियों में रही, 23 जून को दोनों शादी के बंधन में बंधे जहीर और सोनाक्षी दोनों क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं। जहीर और सोनाक्षी के प्रशंसक दोनों से जुड़ी अपडेट पाना चाहते हैं। फैंस दोनों को लेकर खुशखबरी कभी इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच सोनाक्षी ने एक पोस्ट के माध्यम से अपने फैंस को प्यारा सा तोहफा दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने लंबे वक्त से संडे सेल्फी अपडेट नहीं की थी और वह संडे सेल्फी पोस्ट करते हुए नजर आए हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने सेल्फी वाली तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और कैप्शन में लिखा है काफी टाइम हो गया संडे सेल्फी पोस्ट किए है ना। तस्वीर में सोनाक्षी सिन्हा ने ब्लैक चेक्स वाला शर्ट पहना हुआ है और वह अपनी टोंड स्किन फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही है। तस्वीर देखकर फैंस काफी खुश हुए हैं और उनकी तारीफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा की काम की अगर बात करें तो वह बीते दिनों 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' नाम की वेब सीरीज में नजर आई थीं। जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया इसके अलावा वह करण रावल के निर्देशन में बनने जा रही रोमांटिक थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। फिल्म को एकलोन प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जा रहा है। जल्द ही उनकी अपकमिंग फिल्म कंप्लीट हो जाएगी।

9वें इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड्स (IEA) कॉनक्लेव 2024 का डॉक्टरेट दीक्षांत समारोह संपन्न

दोपहर संवाददाता । मुंबई

9वें इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड्स (IEA) कॉनक्लेव 2024 का डॉक्टरेट दीक्षांत समारोह 22 सितंबर 2024 को मुंबई के ताज पैलेस होटल, कोलाबा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह आयोजन क्राउन यूनिवर्सिटी, यूएसए के एक अधिकारी द्वारा संचालित किया गया था। इस आयोजन में डॉ. संदीप सिंह ने मधुमेह को ठीक करने पर एक निःशुल्क व्याख्यान दिया और एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जिसमें डॉ. अभिषेक पाटिल और दिनेश गुप्ता ने स्वास्थ्य, धन और खुशी पर चर्चा की। इस मौके पर अभिनेता, निर्देशक और निर्माता धीरज कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वैभव शर्मा ने किया। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता और महत्वपूर्ण योगदान का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। OMG बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त दिनेश गुप्ता कार्यक्रम के सह आयोजक थे।

डॉक्टरेट प्राप्त करने वाले सम्मानित व्यक्ति

डॉ. अनिल कुमार सिंह : JSW के CEO, बिजनेस मैनेजमेंट में डॉक्टरेट।

जिग्नेश दोशी : सोशल वर्क में डॉक्टरेट।

दत्तात्रय पाटिल : हेल्थ केयर में डॉक्टरेट।

डॉ. महादेव साठे : हेल्थ साइंसेज (D.H.S) में डॉक्टरेट, कोल्हापुर, महाराष्ट्र से।

श्री पवन कुमार अरोरा : पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (D.P.A) में डॉक्टरेट।

अविनाश राय : बिजनेस मैनेजमेंट में डॉक्टरेट।

इसके अलावा, अन्य विशेष सम्मान प्राप्तकर्ता

- **डॉ. संगीता शेट्टी** : सर्वश्रेष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ सम्मान।
- **डॉ. अभिषेक पाटिल** : सर्वश्रेष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन सम्मान।
- **डॉ. चंद्रगुप्त चौहान** : सर्वश्रेष्ठ कॉस्मेटोलॉजिस्ट सम्मान।
- **डॉ. अर्पित दोशी** : सर्वश्रेष्ठ डेंटल सेंटर सम्मान।
- **डॉ. विशाराज निकम** : ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जन और कॉस्मेटोलॉजिस्ट ऑफ द ईयर सम्मान।
- **इशिका शेलार** : उभरती हुई समाज सेविका सम्मान।
- **हीरालाल मृग** : सर्वश्रेष्ठ परोपकारी सम्मान।
- **लवकुश** : सर्वश्रेष्ठ कवि और लेखक सम्मान।
- **अरुण लाल** : पत्रकारिता को नई दिशा देने के लिए सम्मान।
- **सुखदेव धुर्वे** : अंतरराष्ट्रीय तैराक।

न्यूज़ ब्रीफ

खंडवा में दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर पटाखों से ब्लास्ट का मामला गर्माया, पूछताछ शुरू

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा में रेलवे ट्रैक पर साजिश रचने की बात सामने आई है। सागफाटा-डोंगरगांव रेलवे स्टेशन के बीच दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर जम्मू-कश्मीर से कर्नाटक जा रही एक स्पेशल ट्रेन गुजरने के दौरान पटाखों के ब्लास्ट से खलबली मच गई। हालांकि, इसको लेकर आरपीएफ व अन्य एजेंसियों ने दो दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन बाद में सक्रिय हो गई। मामले में कुछ कर्मचारियों से पूछताछ भी की जा रही है। रेलवे ने इस मामले को बेहद संवेदनशीलता से लिया है।

अब भारत की सीमा नहीं लांघ पाएंगे बांग्लादेशी

कोलकाता। बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर भूमि अधिग्रहण संबंधी जटिलताओं के चलते लंबे समय से अटके पड़े तारबंदी के काम के लिए राज्य प्रशासन ने जमीन संबंधी समस्याओं को सुलझाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। बांग्लादेश के मौजूदा हालात के मद्देनजर इस मुद्दे पर पिछले दिनों केंद्र और राज्य सरकार के बीच लंबी चर्चा भी हो चुकी है। केंद्र और बीएसएफ की लगातार शिकायत रही है कि बांग्लादेश सीमा को सुरक्षित करने के लिए बंगाल में आवश्यक जमीन नहीं मिल रही है।

जयपुर में भेड़ों को ढूंढेगी पुलिस, SP ने गठित की SIT

नई दिल्ली। राजस्थान की राजधनी जयपुर में भेड़ चोरी की घटनाएं इतनी बढ़ गईं कि अब एसपी ने एक एसआईटी का गठन किया है, जो चोरी हुई भेड़ों को ढूंढेगी और साथ ही आरोपियों का भी पता लगाएगी। मामला जयपुर में किशनगढ़ रेनवाल थाने इलाके का है, जहां पर अलग-अलग जगहों से अब तक 40 भेड़ें चोरी होने की शिकायत दर्ज हो चुकी हैं। जानकारी के अनुसार भेड़ चोरी की बढ़ती घटनाओं से गुर्जर समाज के बीच रोष व्याप्त हो गया, जिसके बाद समाज के लोगों ने थाने का घेराव करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। गुर्जर महासभा और समाज के लोगों ने पुलिस को भेड़ों को बरामद करने का ज्ञापन भी सौंपा।

उदय भानु चिब बने यूथ कांग्रेस के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उदय भानु चिब को भारतीय यूथ कांग्रेस का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। बता दें कि उदय भानु चिब, श्रीनिवास बी.वी. का जगह लेंगे। उदय भानु चिब जम्मू-कश्मीर से आते हैं और वर्तमान में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर कार्यरत थे। उदय भानु चिब, जम्मू-कश्मीर प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनकी नियुक्ति को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (AICC) ने आधिकारिक पत्र जारी किया है, जिसमें तत्काल प्रभाव से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। आपको बता दें कि इससे पहले कांग्रेस ने बीते शनिवार को शुभंकर सरकार को पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। बता दें कि शुभंकर सरकार ने पार्टी के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी की जगह ले ली है, जो लंबे समय से इस पद पर कार्यरत थे। कांग्रेस के इस नेतृत्व परिवर्तन को राज्य में आगामी चुनावों के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लांछन के साथ नहीं जी सकता, ईमानदार लगूं तो वोट देना : अरविंद केजरीवाल

भागवत से पूछा- मोदी के लिए 75 साल में रिटायरमेंट क्यों नहीं?

एजेंसी । जमशेदपुर

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनसभा की। उन्होंने 2011 में हुए अन्ना आंदोलन और पहली बार चुनाव जीतने की घटना का जिक्र किया। कहा- हम पहली बार में ही ईमानदारी के दम पर सत्ता में आ गए। इस्तीफे पर केजरीवाल ने कहा- सत्ता और कुर्सी का लालची नहीं हूं। भाजपा ने भ्रष्टाचारी और चोर कहा तो दुख हुआ। लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं, जी भी नहीं सकता। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना। AAP संयोजक ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से 5 सवाल पूछे। कहा- जब 75 साल में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्र जैसे नेताओं को रिटायर कर दिया तो ये नियम मोदी पर लागू क्यों नहीं। अमित शाह कह रहे हैं कि मोदी पर लागू नहीं होगा। भागवत जी जवाब दीजिए। दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को CM पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बन गईं।

केजरीवाल की स्पीच की 4 बड़ी बातें...

केजरीवाल बोले- ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते हैं मुझे आज भी याद है। 4 अप्रैल 2011 का दिन था, जब आजाद भारत का भ्रष्टाचार विरोधी सबसे बड़ा आंदोलन यहां जंतर-मंतर से शुरू हुआ था। उस वक्त की सरकार अहंकारी थी। चैलेंज करते थे कि चुनाव जीतकर दिखाओ। हम छोटे थे, चुनाव के लिए पैसा चाहिए था, गुंडे चाहिए थे, आदमी चाहिए थे। हम कैसे लड़ते हमारे पास कुछ नहीं था। हम भी चुनाव लड़ लिए, जनता ने जिता दिया, पहली बार में आम आदमी पार्टी की सरकार बना दी। हमने साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते हैं।

पैसे कमाने सत्ता में नहीं आया, हम देश की राजनीति बदलने आए थे दिल्ली के अंदर 10 साल से ईमानदारी से सरकार चला रहे थे और पैसे बचा रहे थे। षड्यंत्र रचकर इन लोगों ने हमारे एक-एक नेता को जेल में डाल दिया। हम जेल से बाहर आ गए और इसके बाद मैंने इस्तीफा दे दिया। मैंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं भ्रष्टाचार करने नहीं आया था, मुझे सीएम पद की, सत्ता की भूख नहीं है। मैं पैसे कमाने नहीं आया था। देश के लिए आए थे, भारत माता के लिए आए थे, देश की राजनीति बदलने आए थे।

केजरीवाल ने कहा- 10 साल में 10 बंगले, 10 प्लॉट हो जाते। मैंने कुछ नहीं कमाया। आज जब मैं घर छोड़ूंगा तो लोगों के फोन आ रहे हैं मेरे पास मेरा घर ले लो। हम पैसा नहीं लेंगे। श्राद्ध खत्म होने के बाद नवरात्रि शुरू होगी तो मैं घर छोड़ दूंगा और आपके पास ही आकर रहूंगा। मैंने मन में सोचा था कि जब तक कोर्ट बरी नहीं कर देती मैं दोबारा कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। वकीलों ने कहा कि 8-10 साल चलेगा केस, तो मैंने तय किया कि जनता की अदालत में जाऊंगा, वो बताएगी कि मैं ईमानदार हूं।

झाड़ू का बटन दबाने से पहले वोटर भगवान का नाम लेता है आने वाला चुनाव मामूली नहीं है, ये केजरीवाल की अग्नि परीक्षा है। ईमानदार लगता हूं तो ही वोट देना। ये झाड़ू अब चुनाव चिह्न नहीं है, ये आस्था का प्रतीक है। जब एक आदमी वोट डालने जाता है और झाड़ू का बटन दबाता है तो आंख बंद करके पहले भगवान का नाम लेता है। सोचता है कि ईमानदार सरकार बनाने जा रहा है। आपके बीच आया हूं कि क्या केजरीवाल चोर है या केजरीवाल को जेल भेजने वाले चोर हैं। ये आपको तय करना है।

महायुद्ध की आहट!

हिज्बुल्लाह ने इजरायल पर दागे 100 से ज्यादा रॉकेट

एजेंसी । लेबनान

लेबनान के आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह ने इजरायल के उत्तरी इलाकों में जोरदार हमला बोला है। रिपोर्ट के मुताबिक, 100 से अधिक रॉकेट दागे गए हैं जिनमें रमत डेविड एयरपोर्ट भी शामिल है। इन हमलों की वजह से रात भर अलग-अलग इलाकों में सायरन बजते रहे, जिससे हजारों लोग घबरा गए थे। इजरायली सेना ने कहा कि रॉकेट रिहायशी इलाकों में दागे गए हैं। इससे पता चलता है कि खतरा बढ़ता जा रहा है। इजरायल के बचाव दल ने कहा कि छर्रे से घायल हुए 4 लोगों का इलाज किया गया। इनमें 76 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल है जो हाइफा के पास वाले इलाके में घायल हुए थे। अटैक की वजह से कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कारों में आग लग गई।

उत्तरी इजरायल पर 140 से ज्यादा रॉकेट दागे थे

बीते शुक्रवार को भी हिज्बुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर 140 से ज्यादा रॉकेट दागे थे। हिज्बुल्लाह ने कहा कि उसने सीमा पर कई स्थानों को कत्युशा रॉकेट दागे, जिनमें कई हवाई रक्षा अड्डे और इजरायली बख्तरबंद ब्रिगेड का मुख्यालय भी शामिल है। इन ठिकानों पर पहली बार हमला किया गया है। इजरायली सेना के मुताबिक गोलान पहाड़ियों, साफेद और ऊपरी गैलिली के क्षेत्रों में 120 मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से कुछ को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। मेरोन और नेटुआ क्षेत्रों में 20 मिसाइलें दागी गईं और इनमें से अधिकांश खुले क्षेत्रों में गिरीं। इसके जवाब में इजरायली सेना ने लेबनान के बेरूत में टारगेटेड हमले किए और उग्रवादी संगठन के सीनियर सैन्य अधिकारी इब्राहिम अकील को मार गिराया।

अचानक फटने लगे पेजर और वॉकी-टॉकी

गौरतलब है कि 17 और 18 सितंबर को लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में पेजर और रेडियो सहित संचार उपकरण फट गए थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस घटना में 37 लोग मारे गए और 3,000 से अधिक घायल हो गए।

तिरुपति प्रसाद विवाद से आहत डिप्टी सीएम

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का 11 दिन का प्रायश्चित उपवास

एजेंसी । अमरावती

भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल आंध्रप्रदेश के श्रीतिरुपति बालाजी का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है जहां पर लगातार एक के बाद एक फैक्ट सामने आ रहे है। इस पर आज रविवार को तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू विवाद से आहत राज्य के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का बड़ा ऐलान सामने आया है। इसके साथ वे आज से 11 दिन का प्रायश्चित उपवास शुरू करेंगे। 11 दिनों के प्रायश्चित दीक्षा यानी उपवास पर जाने से पहले पवन कल्याण ने भगवान से इस घटना को लेकर माफी मांगी और संदेश जारी किया है।

पशु मेदों के अवशेषों से दूषित हुआ प्रसाद

यहां पर बयान देते हुए डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा कि, "हे, बालाजी भगवन! क्षमा करें प्रभु. तिरुमाला लड्डू प्रसाद जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है पिछले शासकों की अनियंत्रित प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप अपवित्र हो गया था। पशु मेदों के अवशेषों से दूषित हो गया था, ऐसे पाप क्रूर मन वाले ही करते हैं। इस पाप को प्रारम्भ में न पहचान पाना हिंदू जाति पर कलंक की मानिंद है. जैसे ही मुझे पता चला कि लड्डू प्रसाद में जानवरों के अवशेष हैं, मेरा मन विचलित हो गया। मुझे स्वयं में दोषित भाव महसूस हो रहा है, मैं जन कल्याण के लिए लड़ रहा हूं। दुख इस बात का हुआ कि शुरुआत में ऐसी समस्या मेरे ध्यान में नहीं आई।" इसी भावना के अंतर्गत मैंने प्रायश्चित आरंभ करने का निर्णय लिया है. रविवार (22 सितंबर, 2024) की सुबह मैं गुंटूर जिले स्थित नंबूर के श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दीक्षा धारण करूंगा. 11 दिनों तक दीक्षा जारी रखने के बाद, मैं तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करूंगा. 'ईश्वर मैं आपसे विनती करता हूं कि मुझे पिछली सरकारों की ओर से आपके खिलाफ किए गए पापों के प्रक्षालन करने की शक्ति प्रदान करें।"

हिंदूओं को इस घटना ने किया है विचलित

आगे डिप्टी सीएम कल्याण ने कहा कि, मेरा दुख यह है कि बोर्ड के सदस्य और कर्मचारी जो तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम प्रणाली का हिस्सा हैं, वे भी वहां की गलतियों का पता नहीं लगा पाते हैं. अगर उन्हें पता चलता भी है, तो वे इसके बारे में बात नहीं करते हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि वे उस समय के राक्षसी प्रवृत्ति वाले शासकों से डरते थे ।इस बात पर भी मन अत्यंत व्याकुल है कि लड्डू प्रसाद बनाने में जानवरों के अवशेष वाले घी का इस्तेमाल किया गया था. धर्म की पुनर्स्थापना की दिशा में कदम उठाने का समय आसन्न हुआ है. धर्मो रक्षति रक्षितः"।

पत्नी से वीडियो कॉल पर बात, फिर पुलिस कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

एजेंसी । नोएडा

नोएडा में थाना रबूपुरा में तैनात एक कांस्टेबल ने सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि वह अपनी पत्नी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था इसी दौरान उसका झगड़ा हो गया। इसके बाद गांव मोहम्मदपुर के पास थाने की जीप में सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली।

पुलिस के मुताबिक, उसकी पत्नी को अनहोनी की आशंका हो गई थी। उसने घटना की सूचना तत्काल थाना प्रभारी को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने कांस्टेबल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कांस्टेबल काफी दिनों से पारिवारिक समस्याओं को लेकर तनाव से जूझ रहा था। अपर पुलिस उपायुक्त

(जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि 21 सितंबर की देर रात को कांस्टेबल अंकुर राठी (28) थाना प्रभारी की जीप में तेल डलवाने के लिए ग्राम मोहम्मदपुर जीप लेकर अकेले गए थे। इसी बीच उनकी पत्नी का वीडियो कॉल आया, वीडियो कॉल के दौरान दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद अंकुर ने सरकारी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अंकुर की पत्नी ने थाना प्रभारी को इस घटना की सूचना दी। थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे तो अंकुर जीप में लहूलुहान अवस्था में मिला। अत्यंत गंभीर हालत में अंकुर को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान देर रात को अंकुर की मौत हो गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि कांस्टेबल अंकुर राठी पारिवारिक कलह से परेशान थे।

अजमेर में जमीन के लिए खेला खूनी खेल

दो पक्षों में मारपीट और फायरिंग, एक की मौत कई घायल

एजेंसी । अजमेर

राजस्थान के अजमेर के रूपनगढ़ में जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में झड़प हो गई और फायरिंग हुई। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि श्वेतांबर जैन समाज छात्रावास की जमीन पर निर्माण के विवाद को लेकर दो गुटों में झड़प हो गई। इस दौरान एक की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रुपनगढ़ में हुई इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें कुछ लोग वाहनों में सवार होकर निर्माण स्थल से भाग रहे हैं और दूसरे गुट के लोग उन पर लाठियां बरसाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान लोग जेसीबी को घेरकर उस पर लाठियां बरसाते नजर आए। वहीं जेसीबी चालक किसी तरह वहां से भागता नजर आ रहा है। इस दौरान कुछ वाहन लोगों को धक्का देकर भागते नजर आए। इसमें कुछ लोग घायल हो गए और एक की मौत भी हो गई।

फर्जी पट्टे की आड़ में भवन निर्माण

सामने आई जानकारी के मुताबिक सरपंच इकबाल छीपा पर इस जमीन का पट्टा किसी और को फर्जी तरीके से देने का आरोप है। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि लोग फर्जी पट्टे की आड़ में अपनी पहचान छिपाकर भवन निर्माण कर रहे थे। कुछ लोगों ने जमीन पर अपना हक जताया। झड़प के दौरान फायरिंग भी हुई। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। जमीन के असली मालिक जैन समाज ने खुद को इस मामले से दूर रखा।

पुलिस के जवान तैनात: खूनी झड़प और फायरिंग के बाद रूपनगढ़ बस स्टैंड और मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रहा। घटना के तुरंत बाद पुलिस बल वहां पहुंच गया। मौके पर पुलिस के जवान तैनात हैं और उपद्रवियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना की जांच भी शुरू कर दी है। वहां अभी भी तनाव बना हुआ है। पुलिस ने एक जेसीबी, एक कार और कुछ वाहनों को जब्त किया है। इसके साथ ही कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक इस झड़प में दोनों पक्षों के कई बाहरी लोग शामिल थे।

यूएस के अलबामा में अंधाधुंध गोलीबारी

4 लोगों की मौत और 20 घायल, ग्रुप में आए थे हमलावर

एजेंसी । वाशिंगटन

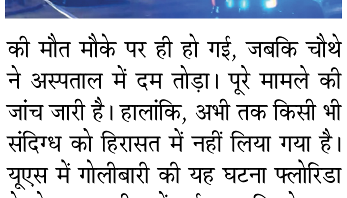

अमेरिका के अलबामा में देर रात हुई गोलीबारी में 4 लोग मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शहर के सबसे लोकप्रिय मनोरंजन स्थलों में से एक फाइव प्वाइंट साउथ इलाके में हुई। मैगनोलिया एवेन्यू के पास 20वीं स्ट्रीट पर रात 11 बजे के बाद अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी। बताया जा रहा है कि शूटर्स का एक ग्रुप था जिसने भीड़ में अंधाधुंध फायरिंग की। चार मौतों के अलावा 20 लोग घायल भी हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बर्मिंघम अधिकारी ट्रूमैन फिट्जगेराल्ड ने मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के चलते दर्जनों लोग शिकार हुए और 6 लोगों को जानलेवा चोटें आईं जिन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि गोली लगने से 2 पुरुषों और 1 महिला की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल में दम तोड़ा। पूरे मामले की जांच जारी है। हालांकि, अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। यूएस में गोलीबारी की यह घटना फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के बाद हुई है। ट्रंप जहां खेल रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर छिपकर बैठे अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के एजेंट ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर झाड़ियों के बीच से एके-शैली राइफल की नाल दिख रही थी।